भाद्रपद शुक्ल पक्ष-13, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 160 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23
भोपाल
25 नवम्बर 2023 शनिवार
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
29 अधिकतम
15 न्यूनतम

Page- 7

वि स चुनाव 2023

मध्यप्रदेश में कांग्रेस जीती तो चमत्कारनाथ साबित होंगे कमलनाथ?

जैसा कि कल हमने लिखा कि आंकड़ों के आईने में कांग्रेस को 42 फीसदी वोटों की दरकार है। यानि पिछले चुनावों के मुकाबले करीबी सवा फीसदी से ज्यादा वोट पाने और भाजपा के मत प्रतिशत को चालीस के नीचे रखने के जतन में यदि कांग्रेस कामयाब हुई तो उसे सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकता। यदि ऐसा हुआ तो मप्र कांग्रेस के मुखिया कमलनाथ भाजपा व्दारा नवाजे गए करप्शननाथ जैसे तमगे से हटकर कांग्रेस के लिए चमत्कारनाथ साबित होंगे। लेकिन राजनीति में आंकड़े ही सब कुछ नहीं होते सियासी हालात भी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के भविष्य का फैसला करते हैं।

मध्यप्रदेश की सियासी तासीर को देखा जाए और 2018 के चुनावों में कांग्रेस को मिले 40.89 फीसदी मतों और भाजपा से वोटों के मामले में मात्र 45 हजार वोटों के फासले के बावजूद सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस 2023 में पांच साल पुरानी कहानी से दो कदम आगे और भाजपा दो कदम पीछे हट पाएगी? इसके लिए आंकड़ों से हटकर तब और अब के राजनीतिक हालात और जमीनी हकीकत पर भी गौर करना होगा। तभी किसी नतीजे या उसके आसपास पहुंचा जा सकता है। 2018 के चुनावों की बात करें तो मुख्यमंत्री शिवराज लगभग अकेले पड़ गए थे। मालवा के भाजपाई क्षत्रप कैलाश विजयवर्गीय मध्यप्रदेश से दूर बंगाल में भाजपा के लिए जोर लगा रहे थे। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष राकेश सिंह कोई असर नहीं छोड़ सके थे। उनकी पार्टी ने 230 सीटों में से 30 टिकट ऐसे नेताओं को दे दिए जिनकी हार पहले दिन से पक्की थी। बावजूद इसके 200 सीटों पर लड़ी भाजपा ने जीत की लगभग 55 फीसदी की स्ट्राईक रेट के साथ 109 सीटें हासिल की लेकिन कांग्रेस के मुकाबले 45 हजार ज्यादा वोट पाने के बावजूद पांच सीटों से पिछड़ गई।

दूसरी तरफ कांग्रेस की तरफ से प्रदेश कांग्रेस की जिम्मेदारी उठाने वाले कमलनाथ को दिग्विजय सिंह सरीखे कार्यकर्ताओं के बीच गहरी पैठ रखने वाले नेता के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा युवा और उर्जावान चेहरे का साथ मिला था। तब कांग्रेस ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरूण यादव से लेकर डा. गोविंद सिंह और अजय सिंह से लेकर सुरेश पचौरी को तवज्जो दी थी। लेकिन इस बार के हालात अलहदा हैं। बकौल शिवराज सिंह चौहान माने तो 2018 से प्रदेश कांग्रेस की फ्रैंचाईजी लेने वाले कमलनाथ के पास दिग्विजय सिंह सरीखे मेंटर तो थे जो आज भी कहे जा सकते हैं। लेकिन पिछले चुनावों में टीम कांग्रेस के लिए मैदान में जंग लडने् वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया सरीखे योद्धा इस बार नहीं थे। सच तो यह भी है कि जो उपलब्ध थे, वे हाशिए पर थे। फिर चाहे वह अरूण यादव हों या सुरेश पचौरी। जीतू पटवारी से लेकर जयवर्धन सिंह जैसे युवाओं को उनके क्षेत्रों में सीमित कर दिया गया। अजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेता का भी ज्यादा उपयोग नहीं किया गया।

इंतहा तो तब हो गई जब भाजपा से कांग्रेस में आए शिवपुरी जिले के विधायक वीरेंद्र सिंह रघुवंशी को टिकट न मिल पाने की तोहमत दिग्विजय सिंह पर मढ़ दी गई। यही नहीं कमलनाथ ने इस फैसले के खिलाफ उनके बंगले पर विरोध जताने वाले रघुवंशी समर्थकों को यह सलाह दे डाली कि उन्हें (कमलनाथ) कोसने के बजाए वे दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह के कपड़े फाड़ें। हालांकि बाद में नाथ ने अपनी इस टिप्पणी से उपजे घावों पर अपने तरीके से मरहम लगाने की कोशिश भी की। अब इस मरहम ने कितना काम किया यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन यह तय है कि कोई भी शख्स अपने बेटे पर तोहमत को आसानी से हजम नहीं कर पाता। बहरहाल इस चुनाव में कांग्रेस कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं के इर्दगिर्द सिमटी रही तो मैदानी प्रचार के लिए प्रियंका गांधी से ज्यादा लोकप्रिय चेहरा नजर नहीं आया। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के ज्यादातर केंद्रीय नेता रंगहीन (आफ कलर) नजर आए। कमलनाथ ने रोज दो रैलियां करके भाजपा को जमकर कोसा तो दिग्विजय सिंह का चुनावी प्रचार उन प्रत्याशियों के बीच सिमटा था जिन्हें उन्होंने टिकट दिलाई थी।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

भाजपा में जुटी क्षत्रपों की ब्रिगेड: इसके विपरीत देखें तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने 165 चुनावी सभाएं की तो कांग्रेस छोडकर भाजपा में आए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 80 चुनावी सभाएं कीं। उनका प्रचार प्रसार भी ग्वालियर-चंबल तक सीमित नहीं था बल्कि पूरे प्रदेश में वो घूमे। फिर कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर-1 जैसी कांग्रेस की कब्जे वाली सीट पर लड़ाई के साथ मालवा निमाड़ को प्रमुखता देते हुए प्रदेश में दो दर्जन से ज्यादा सभाएं कीं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की 55 सभाएं हुईं तो महाकौशल और सूबे के लोधी बाहुल्य इलाकों में प्रहलाद पटैल की 40 और नरेंद्र सिंह तोमर की भी 38 सभाएं हुईं। केंद्रीय नेताओं की बात करें तो पीएम मोदी ने 24, जेपी नड्डा की 15, अमित शाह की 21 राजनाथ सिंह की 12 चुनावी सभाएं हुईं। इसके अलावा प्रदेश के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव सहित केंद्रीय नेताओं की 107 चुनावी रैलियां हुईं।

मुद्दों का असर : मुद्दों की बात करें तो चुनावी घोषणाओं में पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने से लेकर किसानों को मुफ्त बिजली और शहरी उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक माफ 200 तक हाफ जैसे अहम ऐलान थे जिनकी परीक्षा होगी कि उसने मतदाताओं पर कितना असर डाला? यह भी देखा जाएगा कि कांग्रेस की पुरानी पेंशन योजना की बहाली का वादा भी नए कर्मचारियों में कितना असर करता दिखा? उधर भाजपा की लाड़ली बहना योजना ने सत्तारूढ़ दल को प्रदेश के कितने क्षेत्रों में फायदा पहुंचाया, इसकी विवेचना भी होगी। गेहूं और धान की खरीदी के समर्थन मूल्य को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच मची होड़ यह बताएगी कि किसानों का कांग्रेस या भाजपा पर कितना भरोसा है? 2028 तक मुफ्त राशन की योजना का विस्तार 2028 तक करने की घोषणा भी भाजपा ने की । यह उसके संकल्प पत्र से हटकर थी।

मोदी:शाह की कोशिशें व लोस चुनाव: मोदी- अमित शाह की मप्र के चुनावी समर में की गई कोशिशें कितनी कामयाब हुई यह 2024 के लोकसभा चुनावों के लिहाज से अहम होगी तो भाजपा कार्यकर्ताओं की सक्रियता के पैमाने की भी पड़ताल होगी। यह तय है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव के पहले सत्ता के सेंमीफायनल में पूरी ताकत झोंकी है। लेकिन इन सारे प्रयासों के बावजूद मप्र में कांग्रेस यदि कामयाब हुई तो कमलनाथ सूबे में चमत्कारनाथ बनकर उभरेंगे या जनता फिर भाजपा और मोदी की गारंटी पर भरोसा जताएंगे? बहरहाल इसके लिए 3 दिसंबर 2023 को दोपहर तक इंतजार के सिवाए कोई और चारा नहीं है।

राजस्थान में हो रहा मतदान, मप्र में मीमांसा का दौर

चुनावी घमासान के बीच मोदी ने देशी तेजस में को-पायलेट की सीट संभाली

बेंगलुरू, एजेंसी।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में 'ड्राइविंग सीट' पर नजर आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नया आकाश चुना। राजस्थान में जारी मतदान के बीच उन्होंने बेंगलुरु में तेजस विमान से उड़ान भरी। इस दौरान पीएम मोदी ने को-पायलट की भूमिका निभाई। यह मेड-इन-इंडिया विमान है। इस तरह पीएम मोदी ने सेना व उन देशों को भी संदेश देने की कोशिश की, कि भारत अपने यहां बने विमानों व अन्य सैन्य उपकरणों के निर्यात के लिए पूरी तरह तैयार है। पीएम मोदी इस उड़ान के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) साइट का दौरा करने पहुंचे। जहां उन्होंने तेजस जेट सहित विनिर्माण सुविधा की समीक्षा भी की।

सरकार रिपीट होगी तो योजनाएं मजबूत होंगी-गहलोत

इधर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज मतदान के बाद कहा कि राज्य के हित को देखते हुए हमने जो सुशासन दिया है, अच्छी योजनाएं दी हैं,यदि सरकार रिपीट होगी तो ही ये योजनाएं और मजबूत होंगी। अगर भाजपा सत्ता में आई तो उन योजनाओं को बंद कर दिया जाएगा, क्योंकि भाजपा ने पहले भी ऐसा किया है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सरकार और ज्यादा योजनाएं लेकर आना चाहती है, हमारा 2030 का एजेंडा साफ है।

मंदिर-मंदिर दर्शन, सियासी खामोशी

इधर मप्र में चुनाव के बाद राजनीतिक तौर पर खामोशी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज भोपाल में ही है, कल मैहर में देवी मंदिर व उज्जैन में महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद आज वे करीबियों से संवाद में व्यस्त हैं। माना जा रहा है कि वे चुनाव परिणाम के आकलन में जुटे हैं। भाजपा के कुछ नेता अयोध्या व अन्य धार्मिक स्थानों पर दर्शन करने गये हैं। जबकि कुछ तेलंगाना चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। उधर कांग्रेस ने कल अपने सभी उम्मीदवारों की बैठक बुलाई है। जिसमें मतगणना संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा और उनके क्षेत्रों में मतदान का फीडबैक लिया जाएगा।

मशीन फिर खराब, सुरंग में फंसे 41 मजदूरों का टूटने लगा सब्र

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिवाली के दिन से उत्तरकाशी की निर्माणाधीन सुरंग में फंस गये 41 श्रमिक बाहर निकले की उम्मीद लगाए हैं लेकिन हर बार रेस्क्यू में बाधा आ रही है। रेस्क्यू का आज 14वां दिन है। टनल विशेषज्ञ कर्नल परिक्षित मेहरा ने कहा है कि अमेरिकी ऑगर मशीन के बरमे को बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। जिसमें कुछ समय लग सकता है। बताया जाता है कि जैसे ही बरमा बाहर निकाल लिया जाएगा तो दोबारा ड्रिलिंग का प्रयास किया जाएगा। दरअसल आज ऑगर मशीन के फंसने से रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे अधिकारियों के चेहरे उतर गए हैं। अधिकारी मीडिया कर्मियों से भी बातचीत करने से बच रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ सिलक्यारा टनल के ऊपरी हिस्से में आज पानी का रिसाव बढ़ने से चिंताएं भी बढ़ रही हैं। 14 दिन से सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर न निकालने पर बाहर परिजनों का गुस्सा फूट रहा है।

नाराज पत्नी के घूंसे से पति की मौत

पुणे। एक विवाहिता ने अपने पति के मुंह पर ऐसा मुक्का मारा कि उसकी मौत हो गई। दरअसल पति उसे जन्मदिन मनाने दुबई नहीं ले गया था। पुलिस ने पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि यह परिवार पुणे की पॉश कॉलोनी के अपार्टमेंट में रहता है। यहीं दोनों के बीच झगड़ा हुआ। पुलिस के मुताबिक, बिजनेसमैन निखिल खन्ना(36) पत्नी के साथ वानवडी एरिया में रहते थे। 6 साल पहले उन्होंने रेणुका से शादी रचाई थी। रेणुका ने इस बात पर निखिल से झगड़ा शुरू किया कि उसका जन्मदिन मनाने क्यों नहीं ले गये। विवाद के दौरान रेणुका ने निखिल के मुंह पर मुक्का मारा, जो उसके नाक पर लगा। उसकी नाक से खून बहने लगा और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'कुछ' केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार ने कुछ कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में बड़ी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। महंगाई भत्ते में ये बढ़ोतरी जुलाई 2023 से प्रभावी मानी जाएगी। इन कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 15 फीसदी से लेकर 18 फीसदी तक का इजाफा किया गया है, जिससे इनकी सैलरी में बड़ी बढ़ोतरी होगी। हालांकि इसका लाभ उन कर्मचारियों को मिलेगा, जो 5वें और 6वें वेतन आयोग के तहत सैलरी पाते हैं। ऑफिस मेमोरेंडम में कहा गया है कि डिपॉर्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइसजेज के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा हुआ है।

आरबीआई ने तीन बैंकों पर ठोका भारी जुर्माना

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने कई बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की है। बैंक ने सरकारी बैंक समेत तीन बैंकों पर भारी जुर्माना लगया है साथ ही एक सहकारी बैंक के बोर्ड को भंग करके उसकी कमान अपने हाथों ली है। इसके अलावा, पांच को-ऑपरेटिव बैंक पर भी जुर्माना लगाया है। बैंकों पर कुल 10.34 करोड़ रुपये का जुर्माना तीन बैंकों पर लगया है, जिसमें सिटीबैंक , बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन ओवरसीज बैंक शामिल हैं। सबसे ज्यादा जुर्माना सिटी बैंक पर 5 करोड़ रुपये का लगया गया है। यह जुर्माना जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि योजना से संबंधित मानदंडों और वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग पर आचार संहिता का पालन नहीं करने के लिए लगा है। बैंक ऑफ बड़ौदा पर 4.34 करोड़ रुपये का जुर्माना गया।

आज का कार्टून

साभार-माधव जोशी

मेट्रो एंकर

मरूधरा की चुनावी जंग आज

मप्र की तरह राजस्थान में अपरिहार्य हैं राजपरिवार!

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान में आज बेहद कांटेदार मुकाबले के बाद विधानसभा चुनाव का मतदान हो रहा है। मप्र या उप्र में जिस तरह राजपरिवारों का राजनीति में दखल व असर है, उसी तरह का असर राजस्थान में भी है और दोनों ही बड़ी पार्टी भाजपा व कांग्रेस में उनकी मौजूदगी रही है। राज्य के मतदाता भी इन पर अपना विश्वास जताते हैं। आजादी के बाद जिस तरह से मारवाड़ से हनवंत सिंह राठौड़, बीकाने से करणी सिंह बहादुर और जयपुर से महारानी गायत्री देवी को जनता का साथ मिला, अब भी ऐसा ही समर्थन राजपरिवारों को मिलता आ रहा है। इस चुनाव में भी 6 पूर्व राजपरिवारों के सदस्य चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। इनमें पहला नाम वसुंधरा राजे का है, जिन्हें राजपूतों की बेटी, जाटों की बहू और गुर्जरों की समधन कहा जाता है। दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी वसुंधरा ग्वालियर के सिंधिया शाही परिवार से हैं। उनकी शादी राजस्थान के धौलपुर शाही परिवार के राजा हेमंत सिंह से हुई थी। राजे ने अपना पहला विधानसभा चुनाव 1985 में धौलपुर से लड़ा था। मगर 1993 में उन्होंने बीजेपी से यहीं दोबारा चुनाव लड़ा तो हार गईं। इसके बाद 2003 के बाद से झालरापाटन से लगातार चुनाव जीत रही हैं।

- **दीया कुमारी-** 10 साल पहले शुरूआत: जयपुर के पूर्व राजघराने की गायत्री देवी के दत्तक पुत्र सवाई भवानी सिंह की बेटी दीया कुमारी ने 10 साल पहले यानी 2013 में राजस्थान की राजनीति में कदम रखा था। पहले चुनाव में सवाई माधोपुर से विधायक बनीं। 2019 में राजसमंद से सांसद भी रहीं। यह उनका तीसरा चुनाव है। वो जयपुर की विद्याधर नगर सीट से चुनावी मैदान में हैं।

- **सिद्धि कुमारी -** बीकानेर के पूर्व राजघराने की राजकुमारी: सिद्धि कुमारी बीकानेर से चुनाव लड़ रही हैं। वे पूर्व सांसद महाराजा करणी सिंह बहादुर की पोती हैं। 2008 से बीकानेर पूर्व सीट से तीन बार बीजेपी विधायक रहीं। 2018 के चुनाव में सिद्धि ने कांग्रेस के कन्हैया झंवर को मात्र 3प्रतिशत वोटों से हराकर सीट जीती थी। इसबार कांग्रेस ने इस सीट से पार्टी के दिग्गज नेता यशपाल गहलोत को उनके खिलाफ मैदान में उतारा है।

- **कल्पना देवी -** कोटा के पूर्व राजघराने की सदस्य कल्पना देवी को बीजेपी ने कोटा की लाडपुरा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। वे महाराव राजसिंह की पत्नी हैं। लाडपुरा सीट से मौजूदा विधायक हैं। 2018 में उन्होंने 53 प्रतिशत वोटों से जीत हासिल की थी।

- **विश्वराज सिंह मेवाड़ - उदयपुर के पूर्व राजघराने के राजकुमार:** राजस्थान के प्रसिद्ध राजपूत योद्धा राजा महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। करीब एक महीने पहले दिल्ली में उन्होंने भाजपा ज्वाइन की है। उन्हें पार्टी ने राजसमंद की नाथद्वारा सीट से चुनाव लड़ाया है। बीजेपी ने इसके जरिए कांग्रेस का गढ़ कही जानी वाली इस सीट पर सेंध लगाने की कोशिश की है। यहां से कांग्रेस से विधानसभा अध्यक्ष और पांच बार के कांग्रेस विधायक सीपी जोशी को चुनाव लड़ाया है।

- **विश्वेन्द्र सिंह -** भरतपुर के अंतिम शासक बृजेंद्र सिंह के बेटे विश्वेंद्र सिंह तीन बार सांसद और तीन बार विधायक रह चुके हैं। सिंह को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मंत्रिमंडल में पर्यटन मंत्री बनाया गया। तीन साल पहले सचिन पायलट के बगावती घटनाक्रम के चलते उन्हें पद से हटा दिया गया। हालांकि बाद में सुलह की राजनीति और मान-मनौवल के बाद उन्हें फिर से मंत्री पद दे दिया गया।

डायबिटिक डे...

भोपाल। भाभा विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ नर्सिंग कालेज द्वारा डाईबेटीक डे पर नेशनल कान्फेन्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य पैटरान डा0 साधना कपूर चांसलर तथा डा0 दिलीप कुमार डे वाइस चांसलर भाभा विश्वविद्यालय उपस्थित रहे। कान्फ्रेन्स में गेस्ट स्पीकर विश्वेन्द्र सींग डागोर एवं डा. वैनिस मारिया डेविड ने अलग-अलग सेसन में डाईबिटीज के होने का कारण उसके शरीर पर प्रभाव तथा मैनेजमेंट को विस्तार पूर्वक समझाया इस कान्फ्रेंस में भोपाल के शास0 नर्सिंग कालेज जीएमसी भोपाल, एल.एन. नर्सिंग कालेज, कस्तूरबा नर्सिंग कालेज, मानसरोवर नर्सिंग कालेज, चिरायु नर्सिंग कालेज एवं कैरियर नर्सिंग कालेज के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

हमारा संविधान पंथनिरपेक्ष है, धर्मनिरपेक्ष नहीं: पाण्डेय

भोपाल। हमारा संविधान पंथनिरपेक्ष है, धर्मनिरपेक्ष नहीं। संविधान की मूल आत्मा उसकी प्रस्तावना है। भारतीय संविधान भारतीय जीवन मूल्यों से अनुप्राणित है। शिक्षा का उद्देश्य संस्कार देना है, श्रेष्ठ नागरिक बनाना है। डॉ अंबेडकर ने कहा था कि, राजनीतिक लोकतंत्र ही नहीं बल्कि, हमें सामाजिक लोकतंत्र भी बनाना होगा। स्वतंत्रता समानता और भ्रातत्व को जीवन में उतरना होगा। यह बात पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं मप्र लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार पाण्डेय ने मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। पाण्डेय ने कहा कि हमारे यहां अधिकारों के साथ कर्तव्यों की संकल्पना प्राचीन काल से ही है। दूसरों का कल्याण करना सबसे बड़ा

पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना सबसे बड़ा पाप है। सभी मौलिक अधिकारों के पीछे कुछ ना कुछ मर्यादा होती है। ऋग्वेद में भी सभा और समिति का उल्लेख है, जो राज्यसभा और लोकसभा के समान हुआ करते थे।

बीयू: पीएचडी अवार्ड का नोटिफिकेशन वेबसाइट से कर सकेंगे डाउनलोड

अब नहीं करनी होगी नोटिफिकेशन के लिए छात्रों को लंबी प्रतीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने पीएचडी अवार्ड के नोटिफिकेशन मौखिक परीक्षा समाप्त होते ही अपनी वेबसाइट में अपलोड कर दिया गया है। पीएचडी विद्यार्थी अब सीधे बीयू की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। कुलपति प्रो. सुरेश कुमार जैन द्वारा इसे आसान बना दिया है। कुलपति के इस प्रयोग के द्वारा पीएचडी करने वाले छात्रों को इसका तत्काल लाभ मिलेगा एवं वे समय से अपना नोटिफिकेशन वेबसाइट से प्राप्त कर सकेंगे।

छात्रों को लाभ

उल्लेखनीय है कि इससे पहले नोटिफिकेशन के लिए छात्रों को लंबी प्रतीक्षा करनी प?ती थी। बीयू द्वारा अक्टूबर एवं नवंबर माह में हुई सभी पीएचडी स्टूडेंट्स की मौखिक परीक्षा के उपरांत छात्रों के नोटिफिकेशन विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर डाले जा चुके हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन यह भी प्रयास किए जा रहे हैं कि पूर्व में हुए सभी पीएचडी के नोटिफिकेशन शीघ्र ही विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर डाल दिए जाएं। ताकि नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे छात्रों इसका लाभ मिल सके।

भोपाल रेल मंडल में रोजाना अप–डाउन करते हैं डेढ़ लाख से अधिक यात्री

मेमू ट्रेनों के नहीं बढ़ाए फेरे, एक्सप्रेस को थोकबंद कर दिया निरस्त, यात्री परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे थोक में ट्रेनों को निरस्त कर रहा है। इस बार तो अकेले भोपाल ही नहीं, बल्कि झांसी समेत कई मंडलों ने ट्रेनों को निरस्त करने की घोषणा की है। भोपाल रेल मंडल में 27 नवंबर से ट्रेनें निरस्त होंगी। इस दौरान अप–डाउनरों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। ये इन्हीं ट्रेनों की मदद से एक से दूसरे शहरों में पहुंचकर काम धंधा करते हैं और शाम को फिर घर लौट जाते हैं। रेलवे ने मेमू जैसी लोकल ट्रेनों का विकल्प दिए बिना ही ट्रेनों को निरस्त करने की घोषणा की है, जिसका फायदा निजी बस, टैक्सी आदि को होगा और आम लोगों को जेबें ढीली करनी पड़ेगी।

भोपाल से रोजाना विदिशा के बीच अप–डाउन करने वाले पराग शर्मा का कहना है कि ट्रेन ही एकमात्र बेहतर विकल्प था, लेकिन उन्हें भी निरस्त किया जा रहा है। इस तरह तो नौकरी चली जाएगी या फिर नौकरी बचाने के लिए भोपाल में ही रहना पड़ेगा, जो महंगा पड़ेगा क्योंकि मामूली वेतन में विदिशा और भोपाल का खर्च नहीं उठा सकते। निजी बस व टैक्सी से आना–जाना कर तो सकते हैं लेकिन रुपये अधिक लगेंगे और

बस, टैक्सी और अन्य साधनों पर खर्च करने पड़ रहे अधिक रुपये

समय भी बर्बाद होगा। यदि रेलवे छोटे–छोटे स्टेशनों को जोड़ने वाली मेमू ट्रेनों को खोल दे या उनके फेरे बढ़ा दें तो कम से कम अप–डाउनरों की समस्या तो खत्म हो ही सकती है।

भोपाल से बीना के बीच रोजाना सफर करने वाले मुकेश सिंह का कहना है कि भोपाल रेल मंडल ने थोकबंद ट्रेनों को 27 नवंबर से निरस्त करने की घोषणा की है। ये ट्रेनें बरखेड़ा से बुधनी रेलवे स्टेशन के बीच काम के चलते निरस्त की जा रही है। यह जानकारी रेलवे ने ही दी है। इसमें भोपाल से बीना और आगे की यात्रा करने वाले यात्रियों का क्या दोष है, रेलवे अधिकारियों का यह तर्क ठीक नहीं है कि भोपाल से इटारसी के बीच कोई काम हो रहा है तो वे दूसरे क्षेत्रों में आवागमन करने वाले यात्रियों को भी परेशान करेंगे। रेलवे चाहे तो इस परेशानी का हल मेमू ट्रेनें हैं, जो कि भोपाल से बीना व आगे के स्टेशनों के लिए चलाई जा सकती है।

यात्री **प्रशांत मेहरा** का कहना है कि रेलवे चाहे तो सबकुछ कर सकता है, विकल्प भी है लेकिन न कोई बोलने वाला है और न ही कोई सुनने वाला। रेलवे ने तो ट्रेनों को निरस्त करने का फरमान जारी कर दिया है अब आम यात्री और अप–डाउनर जूझते रहेंगे। इधर भोपाल रेल मंडल के मेंटेनेंस से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक का सेफ्टी से जुड़ा काम है, उसमें कोताही नहीं कर सकते इसलिए काम तो करना पड़ेगा। विकल्प क्या है और कैसी व्यवस्था बनाई जा सकती है यह देखना वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है।

ज्ञान और विचार महत्वपूर्ण है : हेमराज

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कन्या महाविद्यालय में कंप्यूटर सांइस विभाग द्वारा इंस्टीटयूशन इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में इंट्रोडक्शन टू हैकाथॉनसः ग्रासपिंग द बेसिक्स विषय पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य छात्राओं को हैकाथॉन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में श्री हेमराज सिंह चौहान, आईटीई इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, ट्रेनर एट इंडियन आर्मी, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी, कंप्यूटर सांइस विभाग की डीन एंव विभागाध्यक्ष डॉ. मीनू टहिलयानी, इंस्टीटयूशन

इनोवेशन काउंसिल के समस्त सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि जीवन में लक्ष्य पर केंद्रित होकर कार्य करे। हैकाथॉन के बारे में छात्राओं को जानकारी होना आवश्यक है। आज प्रतिस्पर्धा के इस युग में हम विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर महत्वपूर्ण कौशल को अर्जित करते है। उन्होने डिजिटल एजुकेशन एवं हैकाथॉन के विशेष संदर्भ में अपनी बात कही। हेमराज सिंह चौहान नें कहा कि ज्ञान और विचार महत्वपूर्ण है। उन्होने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए कहा कि आपके पास विचार होना आवश्यक है। उन्होने इस प्रतियोगिता में शामिल होने की प्रकिया, विभिन्न चरणों ,बायोडाटा, रिज्यूम और सीवी में अंतर एवं विभिन्न महत्पूर्ण विषयों पर उदाहरण सहित सविस्तार बात की। तकनीकी, नवाचार और रचनात्मकता पर बात करते हुए उन्होने इमेज प्रोसेसिंग, बिग डाटा एवं फेसबुक ग्राफ सर्च पर बात की। इस सत्र के दौरान छात्राओं ने अपने विचार साझा करते हुए महिला सुरक्षा, पर्यावरण एवं सोशल मीडिया संबंधित विषयों पर बात की।

हैकाथॉन पर विशेष सत्र संत कॉलेज में

रक्तदान शिविर

भोपाल। एनसीसी के 75वाँ स्थापना दिवस समारोह पर स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन म0प्र0 एवं छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त उपमहानिदेशक मेजर जनरल ए के महाजन, ग्रुप कमांडर भोपाल विग्रेडियर अजित सिंह एवं 4 मप्र

बालिका बटालियन एनसीसी भोपाल के कमान अधिकारी कर्नल एच एम प्रिन्जा के मार्ग दर्शन में मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में किया गया।

वन्स ए कैडेट, ऑलवेज ए कैडेट

यूनिफॉर्म में जो सीखा उसका लाभ समाज को मिले : पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि एन.सी.सी. कैडेट ने यूनिफार्म पहन कर जो सीखा है, उसका लाभ परिवार और समाज को जीवन भर मिलता रहे। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है वन्स ए कैडेट, ऑलवेज ए कैडेट। पटेल लाल परेड ग्राउण्ड में आयोजित एन.सी.सी. स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्लाटून्स का निरीक्षण किया और परेड की सलामी ली। राज्यपाल ने कहा कि एन.सी.सी. ट्रेनिंग, कैडेट को परिवार, समाज और देश की जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक सामना करने की क्षमता और दक्षता देती है।

मेट्रो एंकर

जब हम किसी को जीवन नहीं दे सकते तो लेने का भी हक नहीं

स्कूली बच्चों ने शाकाहार संकल्प रैली निकाली

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक एवं साधु वासवानी मिशन के संयुक्त तत्वावधान में शाकाहार संकल्प रैली निकाली गई, जिसमें नगरवासियों से 25 नवम्बर साधु टी.एल. वासवानी का जन्मदिवस शाकाहार दिवस के रूप में मनाने की अपील की गई।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा माँसाहार त्यागने का संकल्प लिया गया। रैली के प्रारंभ स्थल संस्कार स्कूल पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि जब हम किसी को जीवन नहीं दे सकते तो हमें किसी का जीवन लेने का भी अधिकार नहीं है। प्राणी भले ही मूक है वे बोल नहीं सकते है,

किन्तु उनमें आशीर्वाद और श्राप के आवेग उनके मस्तिष्क में विद्यमान होते हैं ईश्वर ने सबके लिए अपना-अपना भोजन निर्धारित किया है।

रैली निर्मल नर्सरी से हुई और संतनगर के विभिन्न मार्गों से होते संस्कार स्कूल परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान शाकाहार के पक्ष में तथा प्राणियों के ऊपर दया तथा अत्याचारी रोकने के बेनरों के साथ नारे लगाए गए। रैली का नेतृत्व संस्कार स्कूल की उपप्राचार्य मीनल नरयानी एवं स्कूल के शिक्षकों ने किया। इस अवसर पर साधु वासवानी मिशन की शिष्या एवं संस्कार विद्यालय की उपप्राचार्या मीनल नरयानी ने किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, समस्त शिक्षक समुदाय एवं विद्यार्थिगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने आभार व्यक्त किया।

नामी संगठन के विवादों के बीच नया घटनाक्रम

नए संगठन के जन्म से मंत्रालय की कर्मचारी राजनीति में नयी करवट

दो-दो अध्यक्ष बनने के बाद से लेकर अब तक विवादों से बाहर नहीं निकला राज्य मंत्रालयीन कर्मचारी संघ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। लंबे समय बाद मंत्रालय की कर्मचारी राजनीति में नया मोड़ आया है। दरअसल, कभी मप्र मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के वर्षों तक अध्यक्ष रहे सुधीर नायक ने नया कर्मचारी संघ का गठन किया है। इस संघ का नाम मंत्रालय सेवा अधिकारी, कर्मचारी संघ रखा गया है। जिसके संरक्षक सुधीर नायक है। संघ में बाकी के कर्मचारियों को भी शामिल किया है इससे कई नये पुराने कर्मचारी नेताओं में हलचल है। यह संगठन पदोन्नति,वेतनमान,अनुकंपा नियुक्ति आदि लेकर नये सिरे से संघर्ष की बात भी हाल में कह चुका है। नायक का दावा है कि मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं और मांगों के निराकरण के उद्देश्य से इस संघ का गठन किया है। आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही इस विधिवत चुनाव कराये जाएंगे, जो कार्यकारिणी निर्वाचित होकर आयेगी वह नयी सरकार के समक्ष पुरजोर तरीके से संघर्ष करेगी।

विवादों से पुराना नाता

उल्लेखनीय है कि मप्र मंत्रालयीन कर्मचारी संघ पिछले चुनाव के बाद से विवादों में है। इसमें सुधीर नायक और सुभाष वर्षा के दो अलग–अलग गुट हो गए हैं।असल में मंत्रालय कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी का कार्यकाल दो वर्ष का होता है। पिछली कार्यकारिणी का कार्यकाल 28 फरवरी 2021 को खत्म हो गया था। तब निवृत्तमान कार्यकारिणी के अध्यक्ष सुधीर नायक, कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार पटेल व अन्य पदाधिकारियों ने संतोष ठाकुर को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था। उनके द्वारा निर्वाचन अधिसूचना जारी कर दी थी। कार्रवाई चल रही थी। इसी बीच सुभाष चंद्र बोस पैनल के सुभाष वर्मा व अन्य ने आपत्ति दर्ज कराई कि मतदाता सूची में निवृत्तमान कार्यकारिणी ने मृतक कर्मचारी व मंत्रालय के बाहर के कर्मचारियों के नाम जुड़वा दिए हैं। निर्वाचन अधिकारी इस आपत्ति का निराकरण कर ही रहे थे कि मार्च के अंत तक कोरोना संक्रमण तेज हो गया और इस तरह बीच में ही चुनावी प्रक्रिया को स्थगित करना पड़ा था।

एक संगठन के दो दो अध्यक्ष !

यह प्रक्रिया छह से सात माह स्थगित रही थी। फिर निर्वाचन अधिकारी ने नवंबर में चुनाव कराने के लिए संशोधित अधिसूचना जारी कर दी थी। तब उन्होंने पूर्व में प्राप्त आपत्तियों को भी सही पाया था। जिस पर निवृत्तमान कार्यकारिणी और सरदार वल्लभ भाई पैनल ने चुनाव अधिकारी संतोष ठाकुर को बदल दिया और भगवान सिंह यादव को नियुक्त् कर दिया था। इसका संतोष ठाकुर व सुभाष चंद्र बोस पैनल ने विरोध किया था। निर्वाचन अधिकारी ने शासन को शिकायत कर दी और पूर्व घोषित अधिसूचना के आधार पर 18 नवंबर को निर्विरोध चुनाव करवा दिए थे। इस चुनाव को सरदार वल्लभ भाई पटेल पैनल वैध नहीं माना था। उक्त कार्यकारिणी द्वारा नियुक्त दूसरे चुनाव अधिकारी भगवान सिंह यादव 14 दिसंबर को चुनाव कराए थे। इस तरह तब सरदार वल्लभ भाई पटेल पैनल ने चुनाव कराए और आशीष सोनी को अध्यक्ष बनाया था। वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस पैनल ने भी चुनाव कराए थे, जिसमें सुभाष वर्मा को अध्यक्ष चुना गया था। इस तरह एक नामी कर्मचारी संगठन के दो–दो अध्यक्ष बने और मामला कोर्ट तक पहुंच गया था।

माध्यमिक शिक्षा मंडल

पूरक परीक्षा में लापरवाही पर सवा माह बाद डीईओ को नोटिस

लोक शिक्षण आयुक्त ने 7 दिन में मांगा जवाब, जवाब नहीं देने पर होगी एकतरफा कार्यवाही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माशिमं की दसवीं-बारहवीं की पूरक परीक्षाओं में सेंटर बदलने को लेकर हुई लापरवाही के मामले में जेडी की रिपोर्ट के सवा महीने बाद अब लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव ने जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल अंजनी कुमार त्रिपाठी को नोटिस जारी किया है। आयुक्त ने इस नोटिस पर डीईओ से सात दिन में भीतर जवाब मांगा है। निर्धारित समय सीमा में जवाब नहीं मिलने की स्थिति में एकतरफा कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष माशिमं की दसवीं-बारहवीं की पूरक परीक्षाओं में भोपाल जिले में सरोजनी नायडू शिवाजी नगर को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। अचानक की इस परीक्षा केंद्र को बदल दिया गया। जिससे इस केंद्र पर पहुंचने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा देने में परेशानी हुई। इन परीक्षा केंद्र के विद्यार्थियों का पेपर सुबह के बजाय परिवर्तित परीक्षा केंद्र में दोपहर में लिया गया था।

मंडल सचिव ने कार्यवाही के लिए कहा था, आयुक्त बनाई जांच कमेटी: परीक्षा केंद्र में लापरवाही का ठीकरा डीईओ अंजनी कुमार त्रिपाठी ने माशिमं के अधिकारियों पर फोड़ा था। मंडल सचिव ने परीक्षा केंद्र में हुई लापरवाही को सिल-सिलेवार बताते हुए डीईओ त्रिपाठी पर कार्यवाही के लिए आयुक्त लोक शिक्षण अनुभा श्रीवास्तव को पत्र लिखा। साथ ही पत्र में तीन दिन में अनुशासनात्मक कार्यवाही कर अवगत कराने के लिए भी कहा गया था। माशिमं सचिव के पत्र के बाद आयुक्त ने मामले की जांच संभागीय संयुक्त संचालक अरविंद कुमार चैरगड़े को सौंप दी थी, जिसे पूरा होने के करीब सवा महिने लग गए।

रिपोर्ट पहुंची थी लोक शिक्षण संचालनालय

जेडी चैरगड़े ने जांच के लिए उप संचालक कनक प्रसाद समेत दो सहायक संचालकों को नियुक्त किया। उक्त कमेटी ने अपनी जांच में डीईओ अंजनी कुमार त्रिपाठी को दोषी माना। जेडी चैरग? ने कार्यवाही के लिए प्रतिवेदन आयुक्त लोक शिक्षण के पास भेज दिया। अब मामले में करीब सवा महीने बाद आयुक्त लोक शिक्षण अनुभा श्रीवास्तव ने डीईओ त्रिपाठी को गत दिवस 23 नवंबर को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा है।

मप्र लोक सेवा आयोग

हिंदी, हिस्ट्री सहित अन्य विषयों के सेट परीक्षा के परिणाम जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हिंदी, हिस्ट्री सहित अन्य विषयों के लिए सेट परीक्षा-2023 के परिणाम मप्र लोक सेवा आयोग ने जारी कर दिए हैं। एमपीपीएससी की ओर से राज्य पात्रता परीक्षा के लिए इन विषयों के लिए नतीजों का एलान आधिकारिक वेबसाइट पर किया गया है। यह परिणाम पीडीएफ मोड में जारी किया है। परीक्षा में शामिल हुए कैंडिडेट्स पोर्टल पर जाकर इसे देख सकते हैं। बता दें कि आयोग की ओर से कुल 34 विषयों के लिए एग्जाम कराया गया था।

बचे हुए परिणाम भी जल्द

मप्र लोक सेवा आयोग द्वारा अलग-अलग तिथियों में रिजल्ट जारी किए जा रहे हैं। इसके पहले होम साइंस, लाइब्रेरी एंड इन्फोर्मेशन साइंस और कॉमर्स सब्जेक्ट परिणाम जारी किए गए थे। फिलहाल, हिंदी, इतिहास, मैथ्स सहित अन्य विषयों के लिए नतीजे जारी किए गए हैं। वहीं, संभावना है कि बचे हुए परिणाम भी जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

नगर निगमों, नगर पालिकाओं से मांगा जाएगा 15 वर्षों से अधिक पुराने वाहनों का ब्यौरा

सड़क पर 50 साल पुराने वाहन, आयोग ने प्रमुख सचिव को दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़क पर दौड़ रहे 50 साल पुराने वाहनों और शहर के वायु प्रदूषण के मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही 15 वर्षों से अधिक पुराने वाहनों के विभिन्न नगर निगमों, नगर पालिकाओं आदि में चलाये जाने की परिस्थितियों के संबंध में जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। बता दें कि प्रदेश के कई शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक है। भोपाल में एक्यूआई कुछ दिनों से 200 से 300 के बीच दर्ज किया जा रहा है।

यह है पूरा मामला

आयोग के संज्ञान में आया है कि इसको लेकर प्रशासन ने पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, नगर निगम व टैऊफिक पुलिस को सभी वाहनों की पीयूसी जांच के आदेश दिये है। लेकिन विभागों में दौड़ रहे दशकों पुराने वाहनों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नगर निगम भोपाल में 50 साल पुराने वाहन दौड़ रहे है। इन वाहनों में एंबेसडर, जीप, शव वाहन व आदि वाहन शामिल है। ये बिना फिटनेस, पीयूसी के दौड़ रहे हैं। इनका रिकॉर्ड आरटीओं के पास भी नहीं है।

बीएड स्पेशल एटीकेटी के लिए छात्रों को जमा करना पड़ा सेंटर चार्ज

82 कॉलेज के 470 विद्यार्थी हुए परीक्षा में शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी (बीयू) की बीएड फोर्थ सेमेस्टर की स्पेशल एटीकेटी परीक्षा शुक्रवार को आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए शासकीय बाबूलाल गौर पीजी भेल कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा का समय दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहा। इस परीक्षा में प्रदेश के 82 कॉलेजों के 470 विद्यार्थी शामिल हुए। परीक्षा के लिए बीएड कॉलेजों को 100 रुपए प्रति छात्र के हिसाब से सेंटर चार्ज जमा करना होता है। लेकिन करीब 50 कॉलेजों ने परीक्षा शुरू होने तक भी सेंटर चार्ज जमा नहीं किया था। ऐसे में भेल कॉलेज प्रबंधन ने जब निजी बीएड कॉलेज प्रबंधन से सेंटर चार्ज जमा करने की बात कही, तो उन्होंने छात्र से पैसे लेने को कहा। ऐसे में परीक्षा के समय छात्रों को ही यह शुल्क जमा करना पड़ा।

मेट्रो एंकर चुनाव में प्रभावित हुई परीक्षाएं, अब मतगणना में ड्यूटी

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षा 11 दिसंबर से हो सकती हैं शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चुनाव के चलते इस बार बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की कई परीक्षाएं प्रभावित हुई हैं। यूजी-पीजी के विभिन्न पाठ्ययक्रमों की पीजी तीसरा, पांचवां और सातवां सेमेस्टर की रेगुलर और एटीकेटी की परीक्षाएं 11 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है।

परीक्षाएं समय पर कराने के लिए विवि में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। कुलपति कार्यालय में हुई इस बैठक के बाद विभिन्न विषयों के टाइम टेबल शेड्यूल भी बना लिए गया है। इसके अनुसार आगे की कार्यवाही सुनिश्चित कर टाइम टेबल को फायनल कर जारी कर दिया जाएगा। बीयू प्रशासन का कहना है कि परीक्षा कार्यक्रम कुछ दिन आगे बढ़ सकता है। प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य परीक्षाएं दिसंबर मध्य में शुरू हो सकती हैं, उसके बाद प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी हो जाएंगी। देरी के कारण पर चर्चा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि इसकी मख्य वजह है कि चुनाव के बाद अब मतगणना में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगेगी।

एडमिशन में भी देरी: विवि के अकादमिक कैलेंडर के हिसाब से पीजी प्रथम और तीसरे (ऑड) सेमेस्टर की परीक्षाएं 22 नवंबर से 12 दिसंबर तक होनी चाहिए, लेकिन एडमिशन में देरी के चलते प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं समय पर नहीं हो पाती हैं। अकादमिक कैलेंडर के अनुसार पहले सेमेस्टर की परीक्षा दिसंबर में समाप्त हो जानी चाहिए, लेकिन अब यह जनवरी तक चलने की संभावना है। इनमें एमए, एमकॉम, एमएससी सहित अन्य विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल हैं।

संपादकीय

तकनीकी क्रांति के खतरे

सूचना तकनीक के फैलते संसार ने जो दुश्वारियां पैदा की हैं, वह कल्पना के बाहर हैं। इस कड़ी में भ्रामक सूचनाओं व चित्रों पर लगाम कसने के लिए सरकार ने कड़े कानूनी उपाय समय समय पर किए हैं। मगर अब एक नई चुनौती के रूप में डीपफेक से फर्जी तस्वीरें बनाकर इंटरनेट के सामाजिक मंचों पर साझा करने की प्रवृत्ति उभरी है। इससे खुद सरकार भी बहुत चिंतित हो गई है तथा कड़े कानून बनाने व जिम्मेदारी तय करने की तरफ कदम बढा दिये गये हैं। दरअसल डीपफेक कृत्रिम मेधा के जरिए किसी और व्यक्ति के चेहरे पर किसी अन्य का चेहरा चिपकाकर नकली तस्वीर बनाने की विकसित कर ली गई एक तकनीक है। पिछले दिनों इस विधि से कुछ फिल्मी अभिनेत्रियों की भोंडी तस्वीरें बना कर सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई थी, जिसे लेकर उन्होंने गंभीर आपत्ति दर्ज कराई थी। उस पर चर्चा चली तो प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी भी इसी तरह की गरबा करते एक तस्वीर फैलाई गई थी। डीपफेक की बढ़ती प्रवृत्ति पर उन्होंने चिंता जाहिर की थी। गौरतरब है कि तकनीक के तीव्र प्रसार ने एक तरफ बहुत सारी सुविधाएं प्रदान की हैं, तो दूसरी तरफ कई चुनौतियां भी पेश की हैं। इस तकनीक का उपयोग बहुत सारे ऐसे लोग भी करने लगे हैं, जो समाज में अस्थिरता, नफरत, वैमनस्यता और उत्तेजना फैलाना या किसी को बदनाम कर सनसनी पैदा करना चाहते हैं। झूठी खबरों और सूचनाओं के चलते अनेक जगहों पर लोगों को उत्तेजित होकर भीड़ हिंसा करते भी देखा जा चुका है। फिलहाल तो केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस तरह की तस्वीरें जारी किए जाने को लेकर गंभीरता दिखाई है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने सोशल मीडिया मंचों को संचालित करने वाली कंपनियों के साथ बैठक की और उन्हें ऐसी गतिविधियों की पहचान करने, उन पर रोक लगाने के उपाय तलाशने को कहा है। मंत्री ने इसके लिए जल्द ही नए कानून बनाने की भी घोषणा की है। मगर डीपफेक ही नहीं, पूरी कृत्रिम मेधा को लेकर रचनात्मक काम करने वालों में गहरी चिंता और क्षोभ देखा जा रहा है। इससे बौद्धिक संपदा में खुली सेंधमारी होने, फर्जी सूचनाओं, तस्वीरों और रचनात्मक, संवेदनशील विधाओं में भोंडी नकल की अराजकता पसरने का खतरा महसूस किया जाने लगा है। बहुत सारे लोग इसका रोजगार पर भी बुरा असर भांप रहे हैं। हालांकि कृत्रिम मेधा के चलन को पूरी तरह रोकने की हिमायत नहीं की जा सकती, क्योंकि विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में बदलती जरूरतों के मद्देनजर इसकी उपयोगिता असंदिग्ध मानी जाती है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में इससे नई क्रांति की उम्मीद की जा रही है। मगर रचनात्मक कामों में इसका दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। एक फर्जी और नकली रचनात्मक संसार पसरने लगा है। इसका सबसे अधिक दुरुपयोग समाज में विकृति पैदा करने वाले कर रहे हैं। इसलिए इस पर तत्काल लगाम लगाना वक्त की जरूरत है। क्योंकि किसी भी तकनीक का विकास इस मंशा से तो नहीं किया जाता कि समाज और मानव जीवन को विकृत किया जा सके और विद्रूप रचा जा सके। मगर कुत्सित और उपद्रवी मानसिकता के लोग उनका दुरुपयोग कर ऐसा माहौल बनाने का प्रयास करते ही हैं। कानून के भय से ही उन पर अंकुश लगाया जा सकता है। जब कृत्रिम मेधा को लेकर इतने बड़े पैमाने पर आशंकाएं जताई जा रही हैं और उसके दुरुपयोग के शुरुआती प्रभाव समाज पर दिखने शुरू हो गए हैं, तो निस्संदेह सरकार से इसके लिए एक प्रभावी नियामक तंत्र विकसित करने और कंपनियों को जवाबदेह बनाने की अपेक्षा की जाती है।

सुविचार

``चुनौतिया ही जिंदगी को रोमांचक बनाती है और इसी से आपके ज़िन्दगी का महत्व निर्माण होता है।''

-अज्ञात

आज का इतिहास

- **1667-** रूस के उत्तरी कॉकसस क्षेत्र के सेमाखा में आये विनाशकारी भूकंप में 80 हजार लोग मारे गये।
- **1744** - आस्ट्रिया की सेना ने पराग्वे के यहूदियों के खिलाफ जान लेवा हमले किये और लूटपाट की।
- **1758** - ब्रिटेन ने फ्रांस के ड्यूक्वीसन किले पर क़ब्ज़ा किया।
- **1866** - इलाहाबाद उच्च न्यायालय का उद्घाटन।
- **1867-** अल्फ्रेड नोबल ने डायनामाइट का पेटेंट कराया।
- **1930** - जापान में एक ही दिन में भूकंप के 690 झटके रिकार्ड किये गये।
- **1936** - जर्मनी और जापान के बीच कोमिंटन (कम्युनिस्ट इंटरनेशनल) विरोधी समझौते पर हस्ताक्षर।
- **1937-** फ्रांस की राजधानी पेरिस में विश्व मेले का समापन।
- **1948** - भारत में राष्ट्रीय कैडेट कोर की स्थापना हुई।
- **1949** - स्वतंत्र भारत के संविधान पर संवैधानिक समिति के अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किये तथा इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया।
- **1951** - अमेरिकी प्रान्त अल्बामा में ट्रेन दुघर्टना में 17 लोगों की मौत।
- **1952** - जार्ज मेनाय आस्ट्रेलियन फुटबाल लीग के अध्यक्ष चुने गये।
- **1960** - टेलीफ़ोन की एसटीडी व्यवस्था का भारत में पहली बार कानपुर और लखनऊ के बीच प्रयोग किया गया।
- **1974** - संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव ऊ थांट का बर्मा में निधन।
- **1998** - पाकिस्तान ने अंधेरे में भी प्रहार कर सकने में सक्षम भक्तर शिकन नामक नव विकसित टैंक-भेदी प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।
- **2001** - अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आई.सी.सी. ने भारत को निलंबन की धमकी दी, बेनजीर भुट्टो नई दिल्ली में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मिलीं।
- **2002** - लुसियो गुटेरेज इक्वाडोर के राष्ट्रपति निर्वाचित।
- **2004** - पाक राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के कश्मीर फ़ार्मूले को पाक-कश्मीर समिति ने खारिज किया।
- 2006 - कोलंबो द्वारा भारतीय पंचायती मॉडल का अध्ययन प्रारम्भ।

गुरुनानक देव जयन्ती- 27 नवम्बर को

ढोंगी साधुओं के लिये आईना हैं गुरुनानक देव

ललित गर्ग

परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित कर समस्त प्राणी जगत् को एकता के सूत्र में बांधने वाले 'सिख' समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता का पाठ पढ़ाया, धर्म का वास्तविक स्वरूप स्थापित किया। समाज-सुधारक एवं रहस्यवादी संत नानकदेवजी ने समाज में समानता का उद्घोष करते हुए ईश्वर को पिता कहा। उनके अनुसार हम हम सब ईश्वर के बच्चे हैं, जिनकी निगाह में कोई छोटा-बड़ा नहीं है, कोई ऊंच-नीच नहीं है, कोई जाति-पाती नहीं है। अपनी गुरुवाणी 'जपुजी साहब' में वे कहते हैं कि 'नानक उत्तम-नीच न कोई' अर्थात ईश्वर की निगाह में सब समान है। उन्होंने जात-पात को समाप्त करने एवं सभी को समान दृष्टि से देखने के लिये ही 'लंगर' की प्रथा प्रारंभ की, जहां सब छोटे-बड़े एवं अमीर-गरीब एक ही पंगत में बैठकर भोजन करते हैं। गुरु नानकदेवजी सर्वधर्म सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रेरक संतपुरुष एवं हिन्दू-मुसलमानों के बीच एक सेतु थे। हिन्दुओं के लिये वे गुरु एवं मुसलमानों के लिये पीर थे। समस्त मानवता के लिये वे एक फरिश्ता थे।

दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव इंसानियत की प्रेरक मिसाल है। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन नानक देव का जन्मोत्सव मनाया जाता हैं। इस वर्ष गुरु नानक जयंती 27 नवंबर को मनाई जा रही। गुरु नानक जयंती को सिख समुदाय बेहद हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाता है। यह उनके लिए दीपावली जैसा ही पर्व होता है। इस दिन गुरुद्वारों में शबद-कीर्तन किए जाते हैं। जगह-जगह लंगरों का आयोजन होता है और गुरुवाणी का पाठ किया जाता है। उनके लिये यह दस सिक्ख गुरुओं के गुरु पर्वों या जयन्तियों में सर्वप्रथम है। नानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। नानक जयन्ती पर तीन दिन का अखण्ड पाठ, जिसमें सिक्खों की धर्म पुस्तक 'गुरु ग्रंथ साहिब' का पूरा पाठ बिना रुके किया जाता है। मुख्य कार्यक्रम के दिन गुरु ग्रंथ साहिब को फूलों से सजाया जाता है और एक बेड़े (फ्लोट) पर रखकर जुलूस के रूप में पूरे गांव या नगर में घुमाया जाता है। शोभायात्रा में पांच सशस्त्र गार्ड, जो 'पंज प्यारों' का प्रतिनिधित्व करते हैं, अगुवाई करते हैं। निशान साहब, अथवा उनके तत्व को प्रस्तुत करने वाला सिक्ख ध्वज भी साथ में चलता है। पूरी शोभायात्रा के दौरान गुरुवाणी का पाठ किया जाता है, अवसर की विशेषता को दर्शाते हुए, धार्मिक भजन गाए जाते हैं।

गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता एवं धर्मगत संकीर्णताओं को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को

आत्मसात् करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया। उनका जोर इस बात पर रहा कि एक छोटी-सी चीज भी व्यक्ति के रूपांतरण का माध्यम बन सकती है। वे किसी भी शास्त्र को नहीं जानते थे, उनके अनुसार जीवन ही सबसे बड़ा शास्त्र है। जीवन के अनुभव ही सच्चे शास्त्र है। शास्त्र पुराने पड़ जाते हैं, लेकिन जीवन के अनुभव कभी पुराने नहीं पड़ते। नानक के बचपन में ही अनेक अद्भुत घटनाएँ घटित हुईं जिनसे लोगों ने समझ लिया कि नानक एक असाधरण बालक है। पुत्र नानक को गृहस्थ जीवन में लगाने के उद्देश्य से पिता ने जब उन्हें व्यापार हेतु कुछ रुपए दिए तब उन्होंने समस्त रुपए साधु-संतों व महात्माओं की सेवा-सत्कार में खर्च कर दिए। उनकी दृष्टि में साधु-संतों की सेवा से बढ़कर लाभकारी सौदा और कुछ नहीं हो सकता था।

नानक देवजी का धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है। आपका न केवल बाहरी व्यक्तित्व बल्कि आंतरिक व्यक्तित्व भी विलक्षण एवं अलौकिक है। वे इस देश के ऐसे क्रांतद्रष्टा धर्मगुरु हैं, जिन्होंने देश की नैतिक आत्मा को जागृत करने का भगीरथ प्रयत्न किया। सामाजिक कुरूढ़ियों को बदलने के लिए किए गए उनके सत्प्रयत्न सदैव स्मरण किए जायेंगे। समाज के साथ उन्होंने राष्ट्र की भावात्मक एकता को सुदृढ़ करने के लिए अनेक उल्लेखनीय प्रयत्न किये। उन्होंने जड़ उपासना एवं अंध क्रियाकाण्ड तक सीमित मृतप्रायः धर्म को जीवित और जागृत करके धर्म के शुद्ध, मौलिक और वास्तविक स्वरूप को प्रकट करने में अपनी पूरी शक्ति लगाई। धर्म के बंद दरवाजों और खिड़कियों को खोलकर उसमें ताजगी और प्रकाश भरने का दुःसाध्य कार्य किया। आधुनिक धर्म के नए एवं क्रांतिकारी स्वरूप को प्रकट करने का श्रेय नानकदेवजी को जाता है।

गुरुनानकजी का धर्म जड़ नहीं, सतत जागृति और चैतन्य की अभिक्रिया है। जागृत चेतना का निर्मल प्रवाह है। उनकी शिक्षाएं एवं धार्मिक उपदेश अनंत ऊर्जा के स्रोत हैं। शोषण, अन्याय, अलगाव और संवेदनशून्यता पर टिकी आज की समाज व्यवस्था को बदलने वाला शक्तिस्रोत वही है। धर्म के धनात्मक एवं गतिशील तत्व ही सभी धर्म क्रांतियों के नाभि केन्द्र रहे हैं। वे ही व्यक्ति और समाज के समन्वित विकास की रीढ़ है। ये व्यक्ति के शरीर, मन, प्राण और चेतना को प्रभावित करते हैं। व्यक्ति-व्यक्ति का स्वस्थ तन, स्वस्थ मन और स्वस्थ जीवन ही स्वस्थ समाज की आधारिशला है और ऐसी ही स्वस्थ जीवन पद्धति एवं धर्म का निरुपण गुरुनानक देव न किया है।

गुरु नानकदेव एक महान पवित्र आत्मा थे, वे ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। आपने 'गुरुग्रंथ साहब' नामक ग्रंथ की रचना की । यह ग्रंथ पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में है । इसमें कबीर, रैदास व मलूकदास जैसे भक्त कवियों की वाणियाँ सम्मिलित हैं। 70 वर्षीय गुरुनानक सन् 1539 ई? में अमरत्व को प्राप्त कर गए। परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात् भी उनके उपदेश और उनकी शिक्षा अमरवाणी बनकर हमारे बीच उपलब्ध हैं जो आज भी हमें जीवन में उच्च आदर्शों हेतु प्रेरित करती रहती हैं। सतगुरु नानक प्रगटिया, मिटी धुन्ध जग चानण होया÷ सिख धर्म के महाकवि भाई गुरदासजी ने गुरु नानक के आगमन को अंधकार में ज्ञान के प्रकाश समान बताया। निश्चित ही वे असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक पुरुष हैं।

गुरुनानक देवजी ने स्वयं किसी धर्म की स्थापना नहीं की। उनके बाद आये गुरुओं से अपने समय की स्थितियों को देखकर सिख पंथ की स्थापना की। उनका उद्देश्य भी भारतीय धर्म और संस्कृति की रक्षा करना ही था। श्री गुरुनानक देव जी का जीवन सदैव समाज के उत्थान में बीता। उस समय का समाज अंधविश्वासों और कर्मकांडों के मकड़जाल में फंसा हुआ था। कहने को लोग भले ही समाज की रीतियां निभा रहे थे पर अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिये उनके पास कोई ठोस योजना नहीं थी। इधर सामान्य लोग भी अपने कर्मकांडों में ऐसे लिप्त रहे कि उनके लिये 'कोई नृप हो हमें का हानि' की नीति ही सदाबहार थी। ऐसे जटिल दौर में गुरुनानक देवजी ने प्रकट होकर समाज में आध्यात्मिक चेतना जगाने का जो काम किया, वह अनुकरणीय है। वैसे महान संत कबीर भी इसी श्रेणी में आते हैं। हम इन दोनों महापुरुषों का जीवन देखें तो न वह केवल रोचक, प्रेरणादायक और समाज के लिये कल्याणकारी है बल्कि संन्यास के नाम पर समाज से बाहर रहने का ढोंग करते हुए उसकी भावनाओं का दोहन करने वाले ढोंगियों के लिये एक आईना भी है।

साभार: लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं

एक दवा मिशन पर गैंग अटैक हो रहा है न्यायालय श्रीमान!!

प्रवीण गुगनानी

आयुर्वेद हमारे ऋग्वेद का भाग है। यह तीन हज़ार वर्षों से पचास हज़ार वर्षों तक की प्राचीन व युगों से प्रमाणित पद्धति मानी गई है। विश्व की सबसे प्राचीन सनातन सभ्यता ने जिस चिकित्सा आधार पर अपनी लाखों करोड़ों पीढ़ियाँ गुज़ार दी; सबसे पहले तो उसे चुनौती देनें वालों पर आपको स्वयं ही संज्ञान लेना चाहिये था! सबसे प्रथम तो आप हमारे आयुर्वेदचार्यों को छद्मवैज्ञानिक (pseudoscience) मानने वालों को दंडित करें न्यायालय श्रीमान!!

1. Beall, Jeffrey (2018). "Scientific soundness and the problem of predatory journals"
2. 13 Semple D, Smyth R (2019). Chapter 1: Thinking about psychiatry. O&ford Handbook of Psychiatry (4th संस्करण). O&ford University Press. पृ. 24. आई.ऍस.बी.ऍन. 978-0-19-879555-1. डीओआई=10.1093/med/9780198795551.003. 0001 "These pseudoscientific theories may...confuse metaphysical with empirical claims (e.g....Ayurvedic medicine)"

ये दो संदर्भ हैं जिसमें आयुर्वेदचार्यो व आयुर्विज्ञानियों को छद्म वेज्ञानिक कहा गया है।

न्याय व्यवस्था केवल वितंडावादियों, बिज़नेस गैंग्स, मल्टीनेशनल लुटेरों, अंग्रेजों, धनपतियों व नेक्सस के लिए तो नहीं है। न्याय हमारे लिए भी है जो भारत की साधारण जनता है और अपनी परंपराओं से प्रेम करती है। हमारी जितनी परंपराओं पर इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने चोट की है उनका संज्ञान उच्चतम न्यायालय यदि स्वयं ले लेगा तो कोई हज़ार पाँच सौ ट्रकों में भरकर दस्तावेज आयेंगे उसके पास। ये कथित सेकुलरिज्म का ही एक छोटा प्रकार है। हम अपने धर्म, आदर्शों, परंपराओं, आग्रहों, गुणों, विशेषताओं को पढ़ें, लिखें, गायें, विज्ञापित करें तो इससे भला किसी को क्या ख़तरा हो सकता है?! और यदि होता भी हो, तो होते रहे, हमें अपने गुणों को विज्ञापित करने से रोकने का अधिकार भला इन विदेशी पद्धति वालों के पास कैसे हो सकता है?! एलोपैथिक की आलोचना अपराध हो सकती है। एलोपैथी से तुलना तो तर्कसिद्धि की एक विधि ही है। तुलना की है, आलोचना नहीं की है। यदि इस प्रकार आयर्वेद के गुणों का बखान रोका जाने लगा तो फिर हमें तो बाबा तुलसीदास की रामचरिमानस पढ़ना भी छोड़ी पड़ेगी जिसमें कई कई बार आयुर्वेदिक औषधियों का उल्लेख किया गया है। गोस्वामी जी ने मानस में लिखा है -

राम पदारबिंद मिर नायउ आइ सुषेन।
कहा नाम गिरि औषधी जाहु पवन सुत लेन।।
देखा सैल न ओषध चीन्हा।
सहसा कपि उपारि गिरि लीन्हा।

हमें तो हनुमान जी की संजीवनी बूटी को ही झूठ मानना होगा। फिर हमें तुलसी को, जाम्बवंत को, वैद्यराज सुषेण आदि आदि इन सभी को भी झूठा सिद्ध मानना होगा जिन्होंने भैया लक्ष्मण को गहन, मृत्यु सदृश मूर्छा से आयुर्वेद औषधि लेने के बाद पलों स्वस्थ और चैतन्य होते हुए देखे था। रामचरितमानस में, रामायण में, महाभारत में, चारों वेद, सभी पुराण, सभी उपनिषद आदि न जाने कितने ही ग्रंथ आयुर्वेद महात्मय से सराबोर हैं और हमें प्राकृतिक चिकित्सा का ज्ञान धार्मिक आख्यानों के माध्यम से देते हैं; सभी को हमें छद्म मानना होगा।

गांधी जी ने आयुर्वेद व एलोपैथ के परस्पर द्वन्द पर यंग इंडिया में लिखा था - अंग्रेजों ने अपने चिकित्सा व्यवसाय का उपयोग हमे परतंत्र रखने हेतु सफलतापूर्वक किया है। पाश्चात्य चिकित्सा पर निर्भरता हमारी दासता को बढ़ाना है। यह प्रणाली बहुत खर्चीली है। रोग का पता लगाने हेतु किए जाने वाले टेस्ट्स से खर्च अत्यधिक बढ़ जाता है। यह चिकित्सा पद्धति पश्चिमी देशों की जलवायु पर आधारित है और हमारे लिए उचित नहीं है। तो, क्या अब हम गांधी जी को भी इसके लिए दंडित करेंगे?! प्रसिद्ध इतिहासकार और पश्चिमी प्रकार के लोगों के प्रिय रामचंद्र गुहा ने अपने एक लेख - द महात्मा ऑन मेडिसिन (टेलीग्राफ , 14 मई, 2016) में लिखा है कि 1920, 30 और 40 के दशक में अपने जीवन के शुरुआती दौर में, गांधीजी प्राकृतिक उपचार में दृढ़ विश्वास रखते थे। आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति और योग भी सीखा। प्रकृति और हर्बल उपचार के साथ उनके प्रयोग हमेशा स्वयं पर होते थे; उन्होंने अपने दोस्तों और शिष्यों को भी इन उपायों को अपनाने की सलाह दी। तो क्या हम गांधीजी के आयुर्वेद अपनाने के परामर्श को भी अदालती घेरे में रखेंगे?! दो तीन बातें अकाट्य और ध्रुव सत्य हैं जो हमें समझ लेनी चाहिये। पहली बात, एलोपैथ अपने साइड इफ़ेक्ट्स के कारण एक विवादित चिकित्सा पद्धति है। दूजी, आयुर्वेद एक मद्धम किंतु लक्ष्यभेदी व बिना किसी भी प्रकार के साइड इफ़ेक्ट्स वाली चिकित्सा पद्धति है, और तीसरी बात, भारत में एलोपैथ महंगी, असहज व पर्यावरण विरोधी चिकित्सा पद्धति है जबकि आयुर्वेद निःशुल्क या अत्यधिक कम लागत वाली एक सहज, सुलभ व पर्यावरण सम्मत पद्धति है। जीवन शैली से उपजे रोग जैसे, ब्लड-प्रेशर, कोलेस्ट्राल, डायबिटीज, ह्रदय-रोग व थायरायड आदि की चिकित्सा हेतु आयर्वेद बड़ी ही सिद्ध पद्धति है जबकि एलोपैथ इन विषयों में मनुष्य के तन को प्रयोगशाला बना देता है। संपूर्ण आधुनिक एलोपैथ विज्ञान कोई सहज चिकित्सा पद्धान्ति नहीं अपितु आपदा प्रबंधन का माध्यम है। आज के समय में एलोपैथ का अधिकतम उपयोग स्वार्थों हेतु, व्यक्तिगत लाभ हेतु, समय की बचत हेतु किया जा रहा है या दूसरों के बहकावे या यूँ कहें कि, एक नेक्सस में फँसने के कारण मात्र ही किया जा रहा है। आज एलोपैथ में एजेंट्स, ब्रोकर्स, दवा निर्माताओं, दवा व्यवसायी, डॉक्टर्स, आदि आदि का फैला हुआ जंजाल या नेक्सस हमारे आयुर्विज्ञान को खाये जा रहा है। बहुराष्ट्रीय और बड़ी दवा कंपनियाँ अपने कमीशन बाज डॉक्टर और एजेंट्स के कारण दवा व्यवसाय में चालीस से साठ प्रतिशत तक का लाभ ले रहीं हैं और देश है कि इस लूट को चुप्पी साधे देख रहा है।

बड़ी बहुराष्ट्रीय दवा व्यवसाय में व्याप्त हो गये उसके नेक्सस या खटमलों के माध्यम से भारत से अरबों डॉलर बाहर ले जा रही है। हमारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य सूचकांक सुधरा हुआ दिखाया जाता है किंतु ज़मीनी स्तर पर स्वास्थ्य में इतनी गिरावट आ चुकी है कि हम हमारी स्वाभाविक और प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी शनैः शनैः खोते चले जा रहे हैं। समय आ गया है कि हम दैनन्दिन जीवन में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रयोग उठाते हुए एलोपैथ पर आपदा की स्थिति मात्र में निर्भर रहें। ऐसा करना ही आज देशधर्म और युगधर्म है। बाबा रामदेव और पतञ्जलि संस्थान पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी सच है या झूठ; यह तो कह नहीं सकता किंतु न्यायालय की इस फटकार में बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों द्वारा फैलाई गई धुंध का प्रभाव अवश्य दिखता है। दुष्प्रचार व आत्मपरिचय में अंतर होता है। पतञ्जलि ने मिथ्या प्रचार नहीं किया है, उसने स्वयं की क्षमताओं का परिचित देना चाहा है। उत्तम या अति उत्तम ऐलोपैथ उपलब्ध रहने पर भी आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा की अनदेखी कृतई नहीं की जा सकती है। न्यायालय श्रीमान स्मरण रखे की बाबा रामदेव व पतञ्जलि संस्थान के यशस्वी संस्थापक बाबा रामदेव को बदनाम करने, उनका मिशन आधारित व्यवसाय दुष्प्रभावित करने के बहुतेरे प्रयास पहले भी हो चुके हैं। पतञ्जलि के विरुद्ध दवा गैंगस्टर्स के ये प्रयास हर बार पहले की अपेक्षा अधिक संगठित, योजनाबद्ध व अधिक मारक होते हैं। मल्टीनेशनल्स दवा या उपभोक्ता कंपनियों द्वारा पतञ्जलि या भारतीय चिकित्सा पद्धति को घेरे जाने के दुष्प्रचार, दुर्लक्ष्य, दुर्भाव, को अब समझा जाना चाहिये व इसके विरोध में भी अब केवल शासन व सिस्टम को नहीं अपितु हमारे समूचे जागृत नागरिकों को समझना चाहिये। न्यायालय श्रीमान के अतिरिक्त भारत का बच्चा बच्चा जानता है कि कोविड कालखंड में इन्हीं बहुराष्ट्रीय मेडिकल कंपनियों ने अपने लाभ को कम न होने देने के चक्कर में किस प्रकार हमारी प्राकृतिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियाँ का बेतरह हास्य उड़ाया था और इन्हें ख़ारिज कर रहे थे। वस्तुतः एलोपैथ को आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन मानकर उसका सम्मान करते हुए हमें अपने आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा पर आधारित रहना ही उचित और सामयिक होगा। और, आयुर्वेद द्वारा स्वयं के गुणों की चर्चा को मिथ्या प्रचार मानने के स्थान पर उसका परीक्षण किया जाना अधिक उचित होगा।

लेखक विदेश मंत्रालय में सलाहकार, ये उनके अपने विचार हैं।

बांद्राभान मेले का कलेक्टर ने किया शुभारंभ, 28 नवंबर तक चलेगा मेला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा एवं तवा के संगम बांद्राभान में 25 नवंबर से 28 नवंबर तक बांद्राभान मेले का आयोजन किया जा रहा हैं। शनिवार 25 नवंबर को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने विधिवत पूजा अर्चना कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत साहित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। पूजा अर्चना के पश्चात कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों के साथ मोटरबोट से मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कार्तिक मास की पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला सुप्रसिद्ध बांद्राभान मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचते हैं। जिसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत ने बताया कि मेले के सुचारू संचालन के लिए मेला स्थल को पांच सेक्टरों में विभाजित किया गया है। विभाजित किए गए सेक्टरों में प्रभारी अधिकारी एवं सहायक अधिकारी कर्मचारी नियुक्त किए गए है, जिन्हें क्षेत्र आवंटित करते हुये क्षेत्र का दायित्व सौपा गया है। प्रत्येक सेक्टर के लिए सेक्टर अधिकारी एवं सहायक कर्मचारी जिम्मेदार होंगे। वे अपने सेक्टर में सतत भ्रमण करते हुये व्यवस्था सुचारू सम्पादित कराएंगे। नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, सीहोर, भोपाल , राजगढ एवं अन्य जिले से मेले में आने वाले यात्रियों व श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखते हुये मेला स्थल के पहुंच मार्गों को दुरूस्त किया गया है।

मुख्य घाट सहित अन्य सभी घाटों के कटाव को पाटकर समतल करते हुये मेले के रेतीले क्षेत्र में आवागमन सुलभ बनाया गया है। शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वाहनों को व्यवस्थित करने व जाम से निजात पाने के लिए पार्किंग स्थल बनाया गया है। स्नान के दौरान गहरे पानी में श्रद्धालुओं को डूबने से बचाने व अन्य किसी प्रकार की आपात स्थिति से बचाव के लिए कुशल तैराकों, गोताखोरों एवं नदी में पेट्रोलिंग हेतु मोटर बोट, लाईफ जैकिट, वायरलैस सैट, वॉकी-टॉकी, सर्च लाईट, वॉच टावर इत्यादि की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा खोया-पाया केन्द्र, अस्थाई पशु चिकित्सालय, मधुमक्खी एवं सर्प इत्यादि से बचाव के लिए रेस्क्यू टीम का इंतजाम भी मेला स्थल पर है। अस्थाई शौचालय, चलित शौचालय, स्नान के बाद महिलाओं को कपडे बदलने हेतु अस्थाई चेंजिंग बूथ भी मेला स्थल पर हैं। मेले में शांति एवं कानून व्यवस्था, भीड एवं ट्रैफिक नियंत्रण तथा हर प्रकार की अप्रत्याशित परिस्थित से निपटने के लिए पुलिस बल और होमगार्ड का बल पूरी तरह मुस्तैद रहेगा। मेले में आने वाले यात्रियों के खाने-पीने, चाय-नाश्ते तथा रोजाना की जरूरतों के हिसाब से दूरस्थ क्षेत्रों से आए दुकानदारों ने दुकानें भी स्थापित की है। ऐतिहासिक मेले की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री सिंह के मार्गदर्शन में समस्त इंतजाम पुख्ता व व्यवस्थित किए गए है। मेले के शुभारंभ के अवसर पर डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा, एसडीओपी पराग सैनी, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट राजेश जैन, आरटीओ निशा चौहान, तहसीलदार शक्ति सिंह तोमर, जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दावा: जिले मे पर्याप्त मात्रा में हैं उर्वरक, सुगमता से किसानों को मिल रहा

गत वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक उपलब्ध कराई यूरिया खाद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिला नर्मदापुरम अंतर्गत कृषको को सुगमता से खाद उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से यूरिया, डी.ए.पी. एवं कॉम्प्लेक्स खाद की प्रमुख भूमिका रहती है। उपसंचालक कृषि जे आर हेडाऊ ने जानकारी देते हुए बताया कि अनाज कुल की फसलों में डी.ए.पी. के स्थान पर कॉम्प्लेक्स उर्वरक (एन.पी.के.) का उपयोग भारत वर्ष मे किया जाता है एवं इसको बढावा देने के लिए विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिको की अनुशंसा अनुसार अनाज कुल की फसलो मे डी.ए.पी. के स्थान पर कॉम्प्लेक्स खाद उपयोग होता है जिसके परिणाम भी अच्छे पाए गए है।

जिले में गत वर्ष की तुलना मे वर्तमान स्थिति में खाद की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। जिसमे गत वर्ष की तुलना में यूरिया 29138 मे.टन के विरूद्ध 62705 मे.टन, कुल 33567 मे.टन अधिक उपलब्ध कराया गया, डी.ए.पी. 28978 मे.टन के विरूद्ध 28315 मे.टन, कुल 663 मे.टन कम उपलब्ध कराया गया।

कॉम्प्लेक्स 30997 मे.टन के विरूद्ध 37593 मे.टन कुल 6596 मे.टन अधिक उललब्ध कराया गया। इस प्रकार डी.ए.पी. एवं कॉम्प्लेक्स मिलाकर 60135 मे.टन के विरुद्ध 100298 मे.टन कुल 40163 मे. टन अधिक उपलब्ध कराया गया। जो कि गत वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है।

उक्तानुसार जिले मे पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। आदर्श आचार संहिता से जिले मे उर्वरको की उपलब्धता पर कही भी कोई प्रभाव नही पडा है। इस वर्ष यूरिया 33567 मे.टन अधिक होने से किसानो को सुगमता से खाद उपलब्ध हो सका है। इस कारण किसानों को किसी प्रकार की असुविधा की स्थिति निर्मित नही हुई है। जिन उर्वरक भण्डारण केंद्रों पर डी.ए.पी. उपलब्ध नही वहाँ जिला प्रशासन द्वारा निरन्तर कॉम्प्लेक्स (एन.पी.के.) उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है एवं वर्तमान मे डी.ए.पी. 580 मे.टन एवं कॉम्प्लेक्स 7001 मे.टन उपलब्ध है।

अखबार में प्रकाशित दरो के संबंध में डी.ए.पी. एवं अन्य रासायनिक उर्वरको की गलत एवं भ्रामक खबरे प्रकाशित की गई है। रासायनिक उर्वरको की प्रतिबोरी शासन द्वारा निर्धारित विकय दर इस प्रकार है- यूरिया (प्रति बोरी 45 कि.ग्रा.)-266.50, डी.ए.पी. (प्रति बोरी 50 कि. ग्रा.)-1350 , एन.पी.के. 12=32=16 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.)-1470, एन.पी.के. 10=26=26 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.)-1470, एन.पी.के. 14=35=14 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.)-1470, एन.पी. के. 16=20=0=13 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.) 1150, एन.पी.के. 16=16=16 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.) 1250, एन.पी.के. 28=28=0 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.) 1470, अमो. फा.स. 20=20=0=13 (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.)-1200, अमोनियम सल्फेट (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.)-994.75 पोटाश (प्रति बोरी 50 कि.ग्रा.)-1700 रुपए।किसान भाईयो से अपील है कि उक्त दरो पर रासायनिक उर्वरक प्राप्त कर सकते है एवं यदि कही डी.ए.पी. उपलब्ध नही है तो उसके स्थान पर कॉम्प्लेक्स एन.पी. के. उर्वरक उत्तम विकल्प है।

मतगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण में बताई गईं मतगणना की बारीकियां

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 3 दिसम्बर को होने वाले मतगणना कार्य के लिए नियुक्त मतगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। शुक्रवार को कलेक्टरेट कार्यालय के स्थित सभाकक्ष में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नियमों का पालन करते हुए मतगणना की प्रक्रिया पूरी करने के लिए बारीकियां बताई। प्रशिक्षकों ने मतगणना के संबंध में प्रमुख वैधानिक प्रावधानों, नियमों तथा मतगणना के दौरान बरती जाने वाली जरूरी सावधानी एवं विभिन्न प्रारूपों में दी जाने वाली जानकारियों के संबंध में बताया।

नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, मास्टर ट्रेनर राजेश जैसवाल द्वारा डाक मत पत्रों की गणना

उन्होंने बताया कि विधानसभावार 14 टेबल में मतों की गणना की जाएगी। प्रत्येक टेबल में राजपत्रित अधिकारी स्तर के एक अधिकारी को सुपरवाईजर बनाया जाएगा। इसके साथ ही गणना सहायक तथा माइक्रो आब्जर्वर भी होंगे। इन अधिकारियों को तीन चरण के रेण्डमाईजेशन के पश्चात् नियुक्त किया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतगणना स्थल मोबाईल ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा।

रेण्डमाईजेशन प्रक्रिया, स्ट्रांग रूम के खोले जाने, स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक ई.व्ही.एम. का परिवहन, मतगणना हॉल की व्यवस्था सहित संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के लिए सीसीटीवी का उपयोग किया जाएगा। मतगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने हेतु अधिकारियों को अनुशासन व शिष्टाचार के साथ मतगणना की बारीकियों के संबंध में गहन प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान मतगणना के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की जानकारी देते हुए उनका शत- प्रतिशत् पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर पुर्नगणना आदि की प्रक्रियाओं एवं निर्देशों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में मतगणना के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किए गए प्रेक्षकों की भूमिका के संबंध में भी जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने मतगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारियों को गंभीरतापूर्वक ग्रहण करने तथा किसी भी प्रकार की दुविधा होने पर तत्काल प्रश्न करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित मतगणना के लिए यह अत्यंत आवश्यक है, कि सभी नियमों को भलीभांति ज्ञान हो।

नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, मास्टर ट्रेनर राजेश जैसवाल द्वारा डाक मत पत्रों की गणना, ई.व्ही.एम. में दर्ज मतों की गणना, वीवीपीएटी स्लीप गणना, मतगणना समाप्ति के पश्चात ईवीएम को मुहरबंद करने और परिणाम की घोषणा के संबंध में, मतगणना केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था, मीडिया सेंटर में आवश्यक सुविधाएं, मतगणना हेतु आवश्यक सामग्री तथा द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रुप से प्रेषित डाक मतपत्र प्रणाली से प्राप्त मतों की गणना और मतगणना के परिणामों की वेबसाईट में एंट्री के संबंध में जानकारी दी।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एसएस रावत तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह सहित जिले के निर्वाचन से संबद्ध अधिकारी उपस्थित थे।

पृथ्वी का उदविकास एवं पुरातत्व विषय पर शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला

विदिशा। विश्व धरोहर सप्ताह अंतर्गत आज गुरुवार को केंद्रीय संरक्षित स्मारक उदयगिरि उप मंडल विदिशा में पृथ्वी का उदविकास एवं पुरातत्व विषय पर शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉक्टर मनोज कुमार कुर्मी, भारतीय पुरातत्व विभाग के इंजीनियर श्री संदीप जायसवाल, आर्कियोलॉजिस्ट श्रीमती संध्या, संरक्षण सहायक सांची श्री संदीप कुमार मेहंतो, क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय भोपाल के डॉक्टर मानिक लाल गुप्ता तथा भोपाल और रायसेन से आए शासकीय स्कूल के शिक्षकगण भी उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। शिक्षण, प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान पृथ्वी का उदविकास एवं पुरातत्व विषय पर कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा प्रशिक्षण को संबोधित कर अपने-अपने विचार व्यक्त किये गए। इसके साथ ही उपस्थित सभी के द्वारा उदयगिरि की पुरातत्व धरोहरों का भ्रमण भी किया गया है।

मेट्रो एंकर नगर के वार्डों में भी प्रकाश व्यवस्था को सुचारू रखने के प्रयास जारी

बांद्राभान मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था में जुटे नगर पालिका कर्मचारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कार्तिक पूर्णिमा पर नर्मदा और तवा नदी के संगम पर प्रतिवर्ष लगने वाला बांद्राभान का मेला आज से प्रारंभ हो रहा है जो की 28 नवंबर तक जारी रहेगा।

जिला मुख्यालय से बांद्रा भान की ओर जाने वाले मार्ग पर रात्रि कालीन प्रकाश व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए नगर पालिका अमला निरंतर कार्य में लगा हुआ है.मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित अन्य नगरों के नागरिक भी श्रद्धा पूर्वक पहुंचते हैं. और कार्तिक की पूर्णिमा पर महा स्नान कर पुण्य अर्जित करने की परंपरा का निर्वाहन करते हैं.नगर पालिका द्वारा कोठी बाजार जज कॉलोनी मालाखेड़ी रोड चक्कर रोड सहित बांद्राभान मार्ग पर विद्युत प्रकाश व्यवस्था के समुचित प्रबंध किए जा रहे हैं।

सीएमओ नवनीत पांडे के मार्गदर्शन में कर्मचारी कर रहे हैं उत्साह से काम

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नवनीत पांडे के मार्गदर्शन में विद्युत शाखा प्रभारी ओपी रावत तथा उनके साथी कर्मचारी द्वारा रात्रि कालीन प्रकाश व्यवस्था किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो इसके लिए विद्युत तारों के आसपास लटक रही पेड़ों की डालियों को काटने का काम भी निरंतर किया जा रहा है. जिन खंबो पर विद्युत के उपकरण लाइट आदि खराब हो गए हैं उन्हें हटाकर उनके स्थान पर नए उपकरण लगाए जा रहे हैं. विद्युत शाखा के कर्मचारी अपने कर्तव्यों के साथ-साथ अपनी धार्मिक आस्था को भी व्यक्त करते हुए काम को गति प्रदान करने में लगे हुए हैं।

विद्युत शाखा प्रभारी ओपी रावत ने बताया बांद्राभान मार्ग की विद्युत व्यवस्था के अलावा नगर के उन वार्डों में भी विद्युत के खराब लाइट को बदलकर उनके स्थान पर नये लाइट लगाई जा रहे हैं. श्री रावत ने बताया कि नगर के रसूलिया क्षेत्र, ग्वालटोली क्षेत्र, भीलपुरा, बीटीआई रोड, सहित अन्य इलाकों में भी रात्रि कालीन प्रकाश व्यवस्था को सुचारू बना रखने के लिए नगर पालिका निरंतर सक्रिय है. सीएमओ साहब के दिशा निर्देशन में विद्युत शाखा के कर्मचारी नगर के उन क्षेत्रों का निरंतर भ्रमण कर रहे हैं जहां पर प्रकाश व्यवस्था बाधित है.रात्रि कालीन प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सिरोंज में सट्टा बाजार बीजेपी-कांग्रेस प्रत्याशी को दे रहा बराबर का भाव!

किसी एक पक्ष को नहीं दे पा रहा अधिक रेट सरकार पर भी बराबरी का चल रहा है दाम, 3 दिसंबर को आएंगे परिणाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कुछ हद तक तस्वीर साफ हर बार हो जाती थी इस बार तस्वीर स्पष्ट होती हुई क्षेत्र की दिखाई नहीं दे रही है। बैसे तो हर बार सट्टा बाजार भी किसी एक प्रत्याशी को अधिक भाव देकर उस प्रत्याशी की जीत की बात कर देता था लेकिन पहली बार देखने को मिला है कि सट्टा बाजार में भी भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी उमाकांत शर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी को बराबर का भाव दिया जा रहा है। बताते हैं कि किसी एक की जीत का पक्का दवा कोई नहीं कर पा रहा सट्टा बाजार दोनों को बराबर भाव दे रहा है मतदाता भी मोहन बने हुए हैं सटोरियों भी किसी एक पर दाओ नहीं लग रहे हैं। चुनाव प्रारंभ होने के समय तो भाजपा प्रत्याशी को सवा दो रुपए का रेट दिया जा रहा था पर जैसे ही चुनाव संपन्न हुई तो सटोरियों ने भी अपने हाथ खींच लिए हैं दोनों प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर इनके द्वारा बताई जाए इसके कारण किसी एक पक्ष को किसी भी सूरत में ज्यादा दाम देने के मूड में सट्टा बाजार देता हुआ

दिखाई नहीं दे रहा है। 2018 के चुनाव में और उससे पहले हुए चावन में पहले हार जीत पर एक तरफ रेट लगाते थे इस बार ऐसा भी नहीं हो रहा है ।

सरकार को लेकर भी स्थानीय सट्टा बाजार में जो दाम चत रहें हैं उसमें दोनों को बराबर दिए जा रहे हैं किसी की भी सरकार बन सकती है। नहीं तो पहले सरकार पर भी एक पार्टी को अधिक दाम दिया जाता था इस बार ऐसा सरकार को लेकर भी नहीं हो रहा है। इन दोनों सुबह से लेकर देर रात तक चांदनी चौक से लेकर बाजार, चौक चौराहा एवं चाय ,पान की दुकानों पर इसी बात को लेकर गुना भाग लगाया जा रहा है कि कौन जीत सकता है कौन को हार सकता है , किसी एक के पक्ष में कोई भी खुलकर नहीं कह पा रहा इस बार कांग्रेस के द्वारा दमदार कैंडिडेट मैदान उतर मुकाबला को कांटे का बना दिया है।दूसरी और भाजपा से भी वर्तमान विधायक जो अपनी कार्यशैली को लेकर हमेशा चर्चाओं में रहे उनके सामने कांग्रेस ने अच्छा कैंडिडेट दिया है। इस वजह से कोई भी खुलकर किसी एक पक्ष के समर्थन में बोल नहीं रहा है। मतदाताओं ने भी वोट डालने के बाद मौन साद लिया इसके कारण कोई भी किसी की जीत का दवा नहीं कर पा रहा है ।भाजपा-कांग्रेस के समर्थक जरुर अपने-अपने प्रत्याशी की जीत की बात कर रहे हैं । वही दोनों प्रत्याशियों के खास लोगों की बात माने तो छोटी जीत की बात दोनों तरफ से की जा रही है। ऊंट किस करवट बैठेगा इसका खुलासा तो 3 दिसंबर को ही हो पाएगा व्यापार जगत से लेकर अन्य क्षेत्रों में भी इसी बात को लेकर चर्चा हो रही है कि किसी के भी पक्ष में इस बार परिणाम आ सकता है।

लटेरी की जनता जिसके पक्ष में किया मतदान उसकी जीत उसकी पक्की – वैसे परिणाम की बात की जाए तो जीत उसकी ही होगी जिसको लटेरी क्षेत्र की जनता जनार्दन ने जिस प्रत्याशी के पक्ष में अधिक समर्थन देकर अपना कीमती वोट दिया है, उसकी जीत जरूर पक्की होगी ऐसी बात आम जनता और सट्टा बाजार में जरूर की जा रही है। इसको लेकर सभी के अपने-अपने तर्क है। हर बार विधानसभा चुनाव में जिस प्रत्याशी को अधिक लेटरी क्षेत्र से मिलते है। उसको विधानसभा की कुर्सी नसीब होती है ऐसी चर्चा इस समय हो रही है । इसी बात को लेकर चर्चा हो रही है कि जिसको लटेरी, आनंदपुर क्षेत्र क्षेत्र से अधिक मत मिलेंगे उसकी जीत भी पक्की मानी जा रही है ओर इस बात की जरूर चर्चाएं हो रही है। जिस प्रत्याशी लटेरी क्षेत्र की जनता लीड लेकर भेजेगा उसकी जीत होना जरूर पक्की मानी जा रही है। हमेशा लटेरी से लीड लेकर आने वाले प्रत्याशी को विधानसभा में पहुंचने का मौका मिलता है ।अब देखना है कि इस बार लटेरी क्षेत्र की जनता ने किस को अधिक प्रेम दिया है।

किसी से बुराई नहीं लेना चाहता मतदाता – पहली बार विधानसभा चुनाव मतदाता कुछ भी नहीं बोल रहा है पूरी तरह से चुपचाप है ।इसके पीछे जो बात सामने आ रही हैं वोटर किसी से भी बुराई नहीं लेना चाह रहा है दोनों प्रत्याशी में से कोई भी चुनाव जीत कर आ सकता है ।जो जीत कर आएगा वह मतदाताओं का हो जाएगा ऐसी बात वोटरों के द्वारा कही जा रही है। कांटे की टक्कर होने के कारण इस बार तरह की स्थिति निर्मित हुई है। इस बात को लेकर भी चर्चा हो रही है कि छोटी हार जीत इस बार चुनाव में देखने को मिल सकती है।

मंडी में 12 हजार से अधिक बोरो की हुई आवक, जाम से आमजन बेहाल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को कृषि उपज मंडी में 12000 से अधिक बोरो की आवक होने से मंडी ट्रालियों से खचाखच भरी हुई थी नीलामी की बाद किसान ट्रालियों को धर्म कांटे पर तोल करवाने के लिए लेकर पहुंचे तो जम के हालात निर्मित हो गए दूसरी ओर उपज बिक्री के बाद जैसे किसानों की घर वापसी हुई तो मंडी बाईपास रोड से लेकर लिंक रोड पर जाम की स्थिति बनी रही दामों में स्थित था देखने को मिलेगी दूसरी ओर चने के दामों में लगातार तेजी भी देखी जा रही है। मंडी में इस तरह रहे भाव गेहूं 2400-4010 चना 5165-5880 मसूर 5400-5965 सोयाबीन 3800-5040 उड़द 4100-7570 मक्का 1800-2040 रुपए प्रति कुंटल के दाम रहे।

'समाजवादी का डकार गए पैसा, फिर भी कहते है हम है समाजवादी, बांटते है चार लोगों में ज्ञान'

सिरोंज। मप्र में फर्जी समाजवादियों और समाजवादी का पैसा डकारने वाले लोगों की कमी नहीं है। सदस्यता वंदी का पैसा डकार गए, सक्रिय सदस्यता बंदी का पैसा निगल गए , समाजवादी वुलेटन का पैसा पी गए, फिर भी अपने को समाजवादी कहते है, बल्कि यूं कहा जाए कि यहां जितने फर्जी और चाटूकार है, उतने कहीं नहीं है। सारा पैसा डकारने के बाद ,चार लोगों में बैठकर ज्ञान बांटकर अपने कृत्यों पर पर्दा डालने का और समाजवादी वैनर में ढकने की कोशिश करने वाले इन फर्जियों को नाम मात्र की शर्म नहीं है।

इधर वरिष्ठ समाजवादी नेता कमलसिंह रघुबंशी का कहना है कि इस तरह के लोगों का सभी को मिलकर वहिष्कार करना चाहिए। बैठक के दौरान ऐसे तत्वों से न किसी का स्वागत सम्मान कराना चाहिए और ना ही इनको मंच पर जगह देना चाहिए और ना ही इनको भाषण ,विचार रखने के लिए बुलाना चाहिए।

ये लोग न समाजवादी विचारक है और न इन्हें समाजवादी से कुछ लेना देना है

केवल इन्हे मात्र पैसे से सरोकार रहता है। दूसरी बात यह है कि इनका अपना कोई बजूद नहीं है, न जनता के बीच और ना ही समाज के बीच , जिसके परिणाम स्वरूप यह समाजवादी में अपने आपको महफूज समझते है। समाजवादी की चादर तले इनकी जान पहचान बनी रहती है। विना काम किए, विना जमीन तैयार किए, ये टिकिट प्राप्त कर लेते है। हजार के बीच वोट प्राप्त होने के बाद भी इन्हें शर्म नहीं आती है। आगामी चुनाव में फिर चुनाव लड़ने के टिकिट की जुगत में जुट जाते है। इन्जा स्वार्थियों के कारण अच्छे लोग चुनाव लड़ने से बंचित रह जाते है। सभी को मिलकर इन तत्वों को वाहर गरना अनीवार्य हो गया है। क्योंकि जव तक यह स्वार्थी पार्टी में रहेंगे चब तक मप्र में समाजवादी का खड़ा होना,जनाधार बढ़ना, संभव नहीं है।

कार्यकर्ताओं का जताया आभार, कहा-वास्तव में पोलिंग पर कार्यकर्ता ही असली हीरो की भूमिका निभाता है

आनंदपुर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में विधायक शर्मा नतमस्तक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आनंदपुर लटेरी के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक चौरासिया पैलेस में सम्पन्न हुई। बैठक में भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा लटेरी एवं आनंदपुर के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नतमस्तक होकर भाजपा के पक्ष में काम करने वाले एक एक कार्यकर्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके पूर्व लटेरी पहुँचने पर कार्यकर्ताओं ने भाजपा के प्रत्याशी रहे उमाकांत शर्मा का पुष्पमाला पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

बैठक में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमाकांत शर्मा ने जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में ओर वर्तमान में विश्व मे सिरमौर पार्टी संगठन बनाने में सक्रिय रूप से काम करते हुए अपने जीवन का उत्सर्ग करने वाले सभी नेताओं एवम देव दुर्लभ कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि में ओर मेरे जैसे सेकड़ो लोग भाजपा के लिए 1989 से काम कर रहे है अब समय है नई पीढ़ी युवा शक्ति आंगे आकर नेतृत्व को संभाले। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की सनातन विचारधारा के लिए भारतीय जनता पार्टी संगठन के लिए काम कर रहे हजारों कार्यकर्ताओ ओर लटेरी की अपनी एवं लक्ष्मीकांत शर्मा जी की ह्रदय प्रिय जनता जनार्दन को नतमस्तक होकर प्रणाम करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि छोटे बच्चो से लेकर अस्सी नब्बे साल तक के बुजुर्गों ओर अनेको अज्ञात लोग जिन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदान करवाने में अथक परिश्रम किया। उनके प्रति जितना धन्यवाद ज्ञापित करें वह कम है। मुझे याद है कि दीवाली के दिन अपना त्यौहार छोड़कर हमारे राष्ट्रीय नेता अमित शाह की सभा की तैयारिया कर रहें थे। वास्तव में पोलिंग पर कार्यकर्ता ही असली हीरो की भूमिका निभाता है।

विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास को बनाये रखने में सभी कार्यकर्ताओं ने अपना सर्वस्व प्रदान किया है। ओर यह भी तय बात है कि आने वाले पंद्रह बीस साल भारत की दिशा और दशा तय करने में बहुत महत्वपूर्ण होने वाले है। आज पाक ओर चीन जैसी शक्तियॉ भारत देश को मिटाने की कोशिश कर रही है। अनेक देश हिन्दू विहीन हो चुके है ।

राष्ट्रवाद विचार की सरकारें आज देश के लिए जरुरत है। देश में भी भारत विरोधी ओर भारत भक्तों की शक्तियों की लड़ाई चल रही है जिसमे भक्तों की जीत हुई ही चाहिए। हम जाती, पंथ, मजहब,क्षेत्र, मजहब के विरोधी नही है जी भारत के विरोधी नही है जो भारत के टुकड़े नही करना चाहते वह भारत देश के भक्त है। कांग्रेस का राहुल गाँधी गकहत्यार को साथ लेकर चलता है दिग्विजयसिंह आतंकियों को जी शब्द लगाते है। देश की एकता अखंडता सुरक्षा मौलिक अधिकार समानता की रक्षा के लिए एक एक भारतवासी को बलिदान भी होना पड़े तो हम पीछे नही हटेंगे। सिरोंज से लेकर सम्पूर्ण भारत वर्ष को सर सर्वश्रेष्ठ बनाने में हम कोई कसर नही छोड़ेंगे। न थकेंगे न रुकेंगे। हम सबको सामूहिक प्रयासों से सर्वव्यापी सर्वस्पर्शी भाजपा बनाने के लिए ओर अधिक प्रयास करना है। समाज धर्म करुणा सेवा, के लिए उपस्थित रहेगा न ही व्यक्तिगत रूप से सम्मान नही कराऊँगा। अब में अपना पूर्ण जीवन भाजपा के सिपाही के नाते अपनी भगवान रूपी जनता की निष्काम भाव से सेवा करने में ही पूर्ण रूप से व्यक्त करूँगा। इस अवसर पर भैरों सिंह जादौन,लक्ष्मण सिंह बघेल, भारत सिंह राजपूत, राजकंवर बघेल,राममोहन पाराशर, रामगुलाम राजौरिया, महेंद्र राजपूत, संजय भंडारी, गुलाब सिंह यादव, दिनेश शर्मा,संतोष बघेल,सचिन शर्मा, संजय जैन,धनराज बघेल,शिवचरण प्रजापति, आदि सहित लटेरी एवं आनंदपुर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | **नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी नहीं दे रहे ध्यान**

कूड़े के ढेर से शहरवासियों को नहीं मिल पा रही है मुक्ति

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका सीएमओ की लापरवाही के कारण शहर वासियों को कचरे के ढेरो से निजात नहीं मिल पा रही है। शिकायतों के बाद भी मुख्य नगर अधिकारी के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थान पर भी कूड़े के ढेर लग रहे हैं।

आम जनता जनार्दन के साथ श्रद्धालुओं को भी कचरे के कारण परेशानी होती है क्योंकि धार्मिक स्थलों के आसपास भी कचरे के ढेर लगे रहते हैं । इनको नगर पालिका प्रशासन के द्वारा कई घंटे नहीं उठाया जाता हैं। बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा मुख्य मार्गो, स्थलों पर ही कूड़ा डालने का काम किया जा रहा है ।एक तरफ सरकार के द्वारा स्वच्छता अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाया जाता है। विगत माह पहले ही स्वच्छता के नाम पर लोगों को जागरूक करने तथा शहर को कचरा मुक्त बनाने के लिए नगर पालिका के द्वारा लाखों रुपए

बर्बाद किए गए फिर भी हालात जस के तस बने हुए हैं । बोरवाड़ी में कूड़े के ढेर र लग रहे हैं कस्टम पथ पर मंदिर के पास कूड़ा डलवाने का काम हो रहा है इसी तरह नगर पालिका शादी हाल के पास भी गंदगी का अंबार लगा रहता है जहां पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है। ऐसे कई स्थान है जहां पर इस तरह कचरा डाला जाता है। यहां गंदगी कई घंटे तक सड़क पर ही पड़ा रहती है आम जनता के साथ धार्मिक लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है ।वैसे ही मलेरिया के साथ डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है फिर भी इस तरह से कचरे के ढेरों को लगने से रोकने के लिए जिम्मेदारों के द्वारा कोई कदम नहीं उठाया जा रहे है ।

गुजरात टाइटंस में हार्दिक पंड्या की जगह शुभमन को मिल सकती है कप्तानी

नइदिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने कप्तान हार्दिक पंड्या को रिलीज करने का फैसला किया है। हार्दिक फिर से अपनी पुरानी टीम मुंबई इंडियंस में लौट रहे हैं। गुजरात की टीम से जुड़े सूत्रों ने इस खबर को कन्फर्म किया है। शुभमन गिल को गुजरात की कमान सौंपी जा सकती है। इस समय आईपीएल का ट्रेडिंग विंडो ओपन है। यानी टीमें अपने खिलाड़ी रिलीज कर सकती हैं और किसी अन्य टीम से खिलाड़ियों की अदला-बदली कर सकती है। पंड्या के मामले में बताया जा रहा है कि इस समय दोनों फ्रेंचाइजी हर तरह की डील की संभावना पर काम कर रही है। एक संभावना यह है कि पंड्या के लिए मुंबई इंडियंस 15 करोड़ रुपए गुजरात को दे दे। इस स्थिति में मुंबई को गुजरात के साथ किसी खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करना होगा।

हार्दिक ने पहले ही सीजन में गुजरात को चैंपियन बनाया था

गुजरात टाइटंस की टीम आईपीएल में पहली बार 2022 सीजन में उतरी। टीम ने हार्दिक की कप्तानी में पहले सीजन में ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। 2023 के सीजन में भी गुजरात टीम फाइनल में पहुंची, जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। इतनी कामयाबी के बावजूद गुजरात की टीम और पंड्या का साथ छूटना फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स को हैरान कर रहा है। दूसरी संभावना यह है कि मुंबई भी पंड्या की कीमत के आपस-पास के अपने खिलाड़ी को गुजरात से ट्रेड कर ले। दोनों ही स्थिति में मुंबई को अपने किसी महंगे प्लेयर को छोड़ना होगा। मुंबई के पास इस समय चार ऐसे खिलाड़ी हैं जिनमें से किसी एक को भी वह रिलीज कर दे या ट्रेड इन कर ले तो उसका काम हो जाएगा।

मुंबई इंडियंस बना सकती है कप्तान

हार्दिक ने ढ्क्रूके पिछले दो सीजन में अपनी कप्तानी क्षमता साबित कर दी है। साथ ही वे भारत की व्हाइट बॉल टीम के भी अगले रेगुलर कप्तान के तौर पर देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस हार्दिक को टीम का कप्तान बना सकती है। हालांकि, रोहित शर्मा से कप्तानी छीनने का फैसला आसान नहीं होगा। रोहित ने मुंबई को पांच बार चैंपियन बनाया है हाल ही में खत्म हुए वनडे वर्ल्ड कप में भी उनकी कप्तानी की जमकर तारीफ हुई है। माना जा रहा है कि खुद हार्दिक दोबारा मुंबई इंडियंस से जुड़ना चाह रहे थे। कोई भी टीम किसी भी खिलाड़ी को उसी स्थिति में रिटेन कर सकती है जब टीम और खिलाड़ी दोनों की रजामंदी हो।

हार्दिक की खोज मुंबई ने ही की थी

हार्दिक पंड्या ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2015 में मुंबई इंडियंस के साथ की थी। उनकी मौजूदगी में मुंबई ने 4 आईपीएल खिताब जीते। हार्दिक 2021 तक मुंबई इंडियंस में रहे। इसके बाद चोटिल हुए और जब वापसी की तो गेंदबाजी नहीं कर रहे थे। मुंबई ने उन्हें 2022 में रिलीज कर दिया। तब से दो सीजन वे गुजरात टाइटंस के कप्तान रहे।

सभी टीमों ने अपनी रिटेंशन लिस्ट जारी कर दी

विमेंस प्रीमियर लीग का ऑक्शन 9 दिसंबर को

मुंबई, एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग का ऑक्शन 9 दिसंबर को मुंबई में होगा। इसकी सभी 5 टीमों ने अपनी रिटेंशन लिस्ट भी जारी कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। मार्च 2023 में टूर्नामेंट का पहला एडिशन खेला गया था। गुजरात जायंट्स ऑक्शन में सबसे ज्यादा पर्स (5.95 करोड़ रुपए) के साथ उतरेगा, जबकि मुंबई इंडियंस के पास पांच फ्रेंचाइजी के बीच सबसे छोटा पर्स (2.1 करोड़ रुपए) होगा।

पिछले सीजन में मंधाना सबसे महंगी खिलाड़ी थीं

पहले सीजन के ऑक्शन में स्मृति मंधाना सबसे ज्यादा कमाई करने वाली खिलाड़ी बनी थीं। उन्हें 3.4 करोड़ रुपए में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी टीम में शामिल किया था। उनके अलावा एश्ले गार्डनर, नेट साइवर-ब्रंट और बेथ मूनी शामिल थीं, जिन्हें सबसे ज्यादा बोली लगा कर टीम में शामिल किया गया था।

गुजरात ने सबसे ज्यादा प्लेयर्स रिलीज किए

डब्ल्यूपीएल 2024 सीजन के लिए पांच टीमों ने 21 विदेशी प्लेयर्स समेत कुल 60 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। वहीं कुल 29 खिलाड़ियों को टीमों ने रिलीज किया है। इसमें से गुजरात जायंट्स ने सबसे ज्यादा (11) प्लेयर्स को रिलीज किया। गुजरात जायंट्स पिछले सीजन में आखिरी स्थान पर रहा था।

चैंपियन को मिले थे 6 करोड़ रुपए

फाइनल मुकाबला जीतने वाली मुंबई इंडियंस को विमेंस प्रीमियर लीग का टाइटल जीतने पर 6 करोड़ रुपए की प्राइज मनी इनाम में मिली। दूसरे नंबर पर रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ और एलिमिनेटर हार कर तीसरे नंबर पर रहने वाली यूपी वॉरियर्ज को एक करोड़ रुपए मिले। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु व गुजरात जायंट्स टीम को बगैर प्राइज मनी के संतोष किया था।

पहले सीजन में मुंबई थी चैंपियन

डब्ल्यूपीएल के पहले सीजन में मुंबई इंडियंस विजयी रही और कई कड़े मुकाबलों के बाद खिताब अपने नाम किया। 26 मार्च को खेला गया फाइनल रोमांचक मुकाबला था, जहां मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर तीन गेंद रहते सात विकेट से जीत हासिल की। इसके बाद कई अन्य मैच भी खेले गए।

जानिए सभी पांच टीमों ने किसे रिटेन किया और किसे रिलीज...

दिल्ली कैपिटल्स

रिटेन किए गए खिलाड़ी: एलीस केप्सी (इंग्लैंड), अरुंधति रेड्डी (भारत), जेमिमा रोड्रिग्ज (भारत), जेस जोनासेन (भारत), लॉरा हैरिस, मारिजन कैप (साउथ अफ्रीका), मेग लेनिंग (ऑस्ट्रेलिया), मिन्नु मानी (भारत), पूनम यादव (भारत), शेफाली वर्मा (भारत), राधा यादव (भारत), शिखा पांडे (भारत), स्नेहा दीप्ति (भारत), तानिया भाटिया (भारत), तितास साधु (भारत)।
रिलीज किए गए खिलाड़ी- अपर्णा मंडल (भारत), जसिया अख्तर (भारत), तारा नॉरिस (अमेरिका)।

गुजरात जायंट्स

रिटेन किए गए खिलाड़ी: एश्ले गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया), बेथ मूनी (ऑस्ट्रेलिया), दयालन हेमलता (भारत), हरलीन देओल (भारत), शबनम शकील (भारत), लॉरा वोल्वार्ट (साउथ अफ्रीका) स्नेह राणा (भारत), तनुजा कंवर (भारत)।
रिलीज किए गए खिलाड़ी: एनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया), अश्वनी कुमारी (भारत), जॉर्जिया वेयरहम (ऑस्ट्रेलिया), किम गर्थ (ऑस्ट्रेलिया), हर्ले गाला (भारत), मानसी जोशी (भारत), मोनिका पटेल (भारत), पारुनिका सिसोदिया (भारत), सबिनेनी मेघना (भारत), सोफिया डंकली (इंग्लैंड) और सुषमा वर्मा (भारत)।

मुंबई इंडियंस

रिटेन किए गए खिलाड़ी: अमनजोत कौर (भारत), अमीलिया केर (न्यूजीलैंड), क्लो ट्रयॉन (साउथ अफ्रीका), हरमनप्रीत कौर (भारत), हेली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), हुमायरा काजी (भारत), इजाबेल वॉन्ग (इंग्लैंड), जिंतिमनी कलिता (भारत), नेटली सीवर (इंग्लैंड), पूजा वस्त्राकर (भारत), प्रियंका बाला (भारत), साइका इशाक (भारत) और यास्तिका भाटिया (भारत)।
रिलीज किए गए खिलाड़ी: धारा गुज्जर (भारत), हीथर ग्राम (ऑस्ट्रेलिया), नीलम बिष्ट (भारत) और सोनम यादव (भारत)।

यूपी वॉरियर्ज

रिटेन किए गए खिलाड़ी: एलिसा हिली (ऑस्ट्रेलिया), अंजलि सर्वनी (भारत), दीप्ति शर्मा (भारत), ग्रेस हैरिस (ऑस्ट्रेलिया), किरण नवगिरे (भारत), लॉरेन बैल (इंग्लैंड), लक्ष्मी यादव (भारत), पार्श्वी चोपड़ा (भारत), राजेश्वरी गायकवाड़ (भारत), एस यशश्री (भारत), श्वेता सहरावत (भारत), सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड), ताहिलीया मैक्ग्रा
रिलीज किए गए खिलाड़ी: देविका वैद्य (भारत),शबनिम इस्माइल (साउथ अफ्रीका), शिवली शिंदे (भारत) और सिमरन शेख (भारत)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रिटेन किए गए खिलाड़ी: आशा शोभना (भारत), दिशा कसत (भारत), एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया), हीथर नाइट (इंग्लैंड), इंद्राणी रॉय (भारत), कनिका आहूजा (भारत), रेणुका सिंह (भारत), रिचा घोष (भारत), श्रेयंका पाटिल (भारत), स्मृति मंधाना (भारत) और सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड)।
रिलीज किए गए खिलाड़ी: डेन वेन निकर्क (साउथ अफ्रीका), एरिन बर्न्स (ऑस्ट्रेलिया), कोमल जांजड (भारत), मीगन शट (ऑस्ट्रेलिया), पूनम खेमनार (भारत), प्रीति बोस (भारत) और सहाना पवार (भारत)।

चीन के शेन्जेन में खेला जा रहा है चाइना मास्टर्स टूर्नामेंट

बैडमिंटन: सात्विक और चिराग का चीनी जोड़ी से होगा सेमीफाइनल

शेन्जेन, एजेंसी

सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन मेंस डबल्स जोड़ी ने चीन के शेन्जेन में खेली जा रहे चाइना मास्टर्स 700 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया हैं। भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया की लियो रोली कार्नान्डो और डेनियल मार्थिन के पेयर को सीधे गेम में 21-16 21-14 से हरा कर 2-0 से मैच अपने नाम किया।

इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 जीतने वाले सात्विक और चिराग का सामना दो चीनी जोड़ियों - हे जी टिंग और रेन जियांग यू और आठवीं वरीयता प्राप्त लियू यू चेन और के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच के विजेता से होगा। सात्विक चिराग ने पहले गेम में शानदार वापसी की। मैच बराबरी पर शुरू हुआ और दोनों जोड़ियों के बीच टक्कर देखने को मिली। लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही अटैकिंग शॉट्स के साथ हावी होना शुरू कर दिया और स्कोर 14-14 से बराबरी हो गया। चिराग ने कुछ सही निर्णय लिए और जल्द ही 19-16 से आगे हो गए और गेम जीत लिया। भारतीयों ने दूसरे गेम की शुरुआत में ही लय बरकरार रखते हुए 5-2 की बढ़त बना ली। सात्विक के जोरदार रिटर्न से उन्होंने 7-5 से दो पॉइंट्स की बढ़त सुनिश्चित कर ली। स्मैश की बदौलत भारतीयों ने 11-6 की अच्छी बढ़त दिला दी। इंडोनेशियाई जोड़ी अटैकिंग गेम का मुकाबला नहीं कर सके और भारतीय जोड़ी जल्द ही आगे हो गए।

इस महीने 62 हजार तक जा सकता है सोना

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 362 रुपए बढ़कर 61,250 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। चांदी के दाम में भी 168 रुपए चढ़कर 72,729 रुपए प्रति किलो हो गए। इस महीने अब तक सोने-चांदी के दाम में मामूली बढ़त देखने को मिली है। 1 नवंबर को सोने के दाम 60,896 रुपए थे, जो अब 61,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमत अब तक इस महीने 2,215 रुपए बड़ी है। यह नवंबर के पहले दिन 70,825 रुपए पर थी, जो अब 73,040 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी रहने के आसार हैं। ॥छ्स्न्ष्ट सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करंसी हेड अनुज गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बॉन्ड यील्ड घट रही है और डॉलर कमजोर हो रहा है। इससे गोल्ड को सपोर्ट जारी रहेगी। इसके अलावा शादियों का सीजन भी शुरू होने वाला है। ऐसे में डिमांड बढ़ने का असर कीमतों पर होगा।

बजाज पल्सर एन 160 वैरिएंट डिस्कंटीन्यू हुआ

नईदिल्ली। बजाज ऑटो ने पल्सर एन 160 के सिंगल-चैनल वैरिएंट को डिस्कंटीन्यू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में बाइक के इस वैरिएंट को डिस्कंटीन्यू करने की वजह कम सेल्स को बताया है। कंपनी ने बाइक को पिछले साल दो वैरिएंट में लॉन्च किया था। इसके सिंगल-चैनल वाले वैरिएंट की कीमत 1.23 लाख और डुअल-चैनल,क्क्स वैरिएंट की कीमत 1.27 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) थी। डीलरों से मिली जानकारी के अनुसार, बाइक के दोनों वैरिएंट की कीमत में सिर्फ 5 हजार रुपए का अंतर है। इस वजह से ज्यादातर कस्टमर्स ने डुअल-चैनल एबीएस वैरिएंट खरीदना पसंद किया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रणबीर कपूर का अब तक का सबसे कॉम्प्लेक्स रोल एनिमल में दिखेगा

बेटी राहा के जन्म के समय रणबीर कपूर फिल्म एनिमल की शूटिंग में बिजी थे। फिल्म में उनका रोल बहुत ही इंटेंस है, इस कारण घर जाने से पहले वो खुद को रील लाइफ से रियल लाइफ में स्विच कर लेते थे। अगर वो घर जाकर भी फिल्म के कैरेक्टर के हिसाब से एक्ट करते तो आलिया उन्हें मारतीं। एनिमल में अपने रोल के बारे में बात करते हुए रणबीर ने कहा- इस रोल के लिए मैं डार्क शब्द का इस्तेमाल नहीं करुंगा। अब तक का ये मेरा सबसे कॉम्प्लेक्स रोल है। लोग आमतौर पर मुझे अलग तरह से देखते हैं। मुझे नहीं पता कि उन्होंने (डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा) मुझमें क्या देखा कि उन्होंने मुझे यह रोल ऑफर किया। ये सारी बातें रणबीर ने फिल्म एनिमल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान कही हैं। रणबीर ने लॉन्च इवेंट के दौरान कहा- रील से रियल में स्विचिंग ऑन और स्विचिंग ऑफ का हिस्सा बहुत जरूरी होता है क्योंकि जब मैं फिल्म एनिमल की शूटिंग कर रहा था, तब मैं पापा बन गया था। इसी वक्त राहा पैदा हुई थी। मैं सेट पर जाता था, फिल्म की शूटिंग से जुड़े काम करता था, फिर घर जाकर अपनी बेटी को निहारता था। उन्होंने आगे कहा- जब आप इन्सपायर्ड होते हैं, तो आपका काम आसानी से हो जाता है। हमने इस फिल्म की शूटिंग 100 दिनों में पूरी कर ली थी। रणबीर ने बताया- मैं किसी चीज से ज्यादा लगाव नहीं करता। मैं कभी भी घर पर रील वाले किरदार में नहीं जाता। ये मेरे घरवालों के लिए ठीक नहीं है। अगर मैं घर जाकर फिल्म के रोल जैसी हरकत करुंगा तो मेरी बीवी मुझे मारेगी। 23 नवंबर को फिल्म एनिमल का ट्रेलर रिलीज हुआ है। फिल्म में रणबीर के अलावा बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना, प्रेम चोपड़ा और शक्ति कपूर जैसे किरदार एक साथ देखने को मिलेंगे।

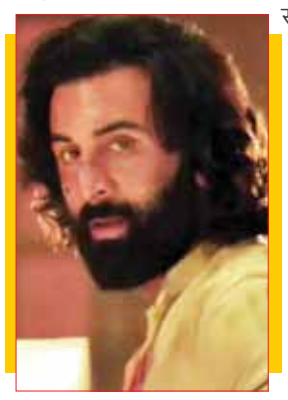

नवाज ने जिंदगी के पुराने किस्सों को शेयर किया

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का 54वां संस्करण शुरू हो चुका है। ये फेस्टिवल गोवा में 28 नवंबर तक मनाया जाएगा। बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी इस फेस्टिवल में शामिल होने पहुंचे थे। नवाजुद्दीन ने अपने फिल्मी सफर के बारे में बात की। उन्होंने खुद को टाइपकास्ट होने से लेकर जाति की वजह से मिले तानों के बारे में बात की। सेशन के दौरान नवाजुद्दीन से उनके द सीरीयस मेन के किरदार के बारे में पूछा गया। एक्टर ने अपनी जिंदगी के पुराने किस्सों को शेयर किया जब उन्हें जाति की वजह से ताने सुनने पड़े थे। उन्होंने कहा, जब मैं अपने गांव में था, मुझे मेरी निचली जाति की वजह से बहुत ताने सुनने पड़ते थे। काफी समय तक मैं लड़ता रहा। आखिर में गांव छोड़ दिया। जब मैं मुंबई आया और मुझे इसी तरह का किरदार ऑफर हुआ, तो वापस से मुझे वही सारे ताने याद आने लगे। एक निचली जाति का आदमी सोचता है कि मैं (अपनी जाति की वजह से) औरों से कम हूं। मुझे औरों तक पहुंचने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। फिल्म द सीरीयस मेन में उन्होंने एक ऐसे पिता का किरदार निभाया था जो अपने बेटे को वो सब देने की कोशिश करता है, जो उसे खुद को नहीं मिला। पिता की पूरी जिंदगी इसी कोशिश को पूरा करने में बीतती है। नवाज ने कहा कि एक ही रोल को अलग- अलग तरीके से निभाना और अलग- अलग किरदारों को नए तरीके से निभाने में बहुत फर्क है। ये दोनों बातें बिल्कुल अलग हैं।

निकिता ने कहा- अभिषेक बहुत टांग खींचते हैं...

निकिता दत्ता फेमिना मिस इंडिया 2012 की फाइनलिस्ट में से एक थीं। उन्होंने साल 2014 में 'लेकर हम दीवाना दिल' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को सैफ अली खान ने प्रोड्यूस किया था। साल 2021 में आई फिल्म 'कबीर सिंह' में नकिति ने एक्ट्रेस जिया शर्मा का किरदार निभाया था। फिल्म में शाहदि कपूर के साथ फिल्माए गए सीन को लेकर नकिति को काफी पॉपुलैरिटी मिली। इंटरव्यू के दौरान निकिता ने कहा, अभिषेक बच्चन के साथ काम करने का एक्सपीरियंस बहुत अच्छा था। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है। अभिषेक बच्चन बहुत मजाकिया हैं। बहुत टांग खींचते हैं। वे किसी को नहीं छोड़ते हैं। अभिषेक के पास बहुत कहानियां हैं। जब भी वे सेट पर होते थे, सबको कहानियां सुनाते थे। एक इंटरव्यू में निकिता ने बताया कि इमरान हाशमी एक नो-नॉनसेंस वाले इंसान हैं। उन्होंने अभिषेक बच्चन को मजाकिया कहा। निकिता ने रैपिड फायर सेगमेंट के दौरान पूछे गए दिलचस्प सवालों के मजेदार जवाब भी दिए। निकिता दत्ता ने अभिषेक बच्चन के साथ साल 2021 में द बिग बुल फिल्म में काम किया था।

इमरान रियल लाइफ में अपनी स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग

अक्षय कुमार के साथ निकिता ने साल 2018 में 'गोल्ड' फिल्म की थी। निकिता ने बताया कि अक्षय और निकिता खुद फिटनेस को लेकर बहुत सीरियस हैं। इमरान हाशमी के साथ निकिता ने साल 2021 में डिबुक फिल्म में काम किया था। उन्होंने बताया कि इमरान एक नो-नॉनसेंस वाले इंसान हैं। वे अपने काम से काम रखते हैं। इमरान रियल लाइफ में अपनी स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग हैं। उनके साथ मेरा बॉन्ड बहुत खास रहा है। इंटरव्यू के दौरान निकिता दत्ता से रैपिड फायर सेगमेंट भी खेला गया। निकिता को कुछ सेलिब्रिटीज के नाम दिए गए और उन सेलिब्रिटीज के नाम बता दें, आलिया भट्ट का सोशल मीडिया पर लिपस्टिक वाला वीडियो काफी वायरल हो गया था। दरअसल, आलिया ने एक मेकअप टुटोरिअल किया था। इस दौरान उन्होंने बातों-बातों में ये कह दिया कि जब भी वो कभी रणबीर कपूर के साथ डेट पर बाहर जाती हैं तो रणबीर उन्हें लिपस्टिक हटाने के लिए कहते हैं। आलिया ने कहा था कि रणबीर को उनके होठों का नेचुरल कलर पसंद है। इस बात पर सोशल मीडिया यूजर्स ने रणबीर कपूर को आलिया की आजादी और उनकी पसंद-नापसंद को कंट्रोल करने

एक्टिवा सवार टीचर को स्कूटर ने मारी टक्कर, हालत नाजुक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित प्लेटिनम प्लाजा के पास शुक्रवार सुबह एक्टिवा सवार व्यक्ति को स्कूटर सवार ने टक्कर मार दी। सिर में गंभीर चोट होने के कारण पत्नी ने उन्हें बंसल अस्पताल में भर्ती कराया है। वहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई?है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले स्कूटर चालक पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सुषमा अवस्थी पति राजेश उर्फ मुन्ना अवस्थी (51) हर्षवर्धन नगर, टीटी नगर में रहती हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे उनके पड़ोसी आशीष ने उन्हें मोबाइल पर सूचना दी कि आपके पति मुन्ना अंकल (56) का एक्सीडेन्ट प्लेटिनम प्लाजा के सामने चौराहा पर हो गया है। उनको मैनें कार से लिफ्ट लेकर 1250 अस्पताल में भर्ती कराय गया। सिर में गंभीर चोट होने के कारण डॉक्टर ने हमीदिया अस्पताल रैफर किया है, लेकिन मैं उन्हें 108 एम्बुलेन्स से बंसल अस्पताल लेकर पहुंचा हूं। सुषमा बंसल अस्पताल पहुंची और डॉक्टर से बातचीत की। डॉक्टर ने उन्हें आईसीयू में भर्ती करते हुए आपरेशन कर दिया।

एक्टिवा ने मारी टक्कर

सुषमा ने आशीष से घटना के बारे में पूछा तो उसने बताया कि वह अपनी बहन को रंगमहल टाकीज पर छोड़कर घर लौट रहा?था। प्लेटिनम प्लाजा के सामने चौराहे पर भीड़ थी। वह रुका तो एक्टिवा पड़ी थी और कछ दूरी पर साइड में मुन्ना अंकल पड़े थे। मैंने लोगों से पूछा तो उन्होंने बताया कि एक अन्य एक्टिवा ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मारी है।

बीच रोड पर अचानक रुकी लालबस से टकराया बाइक सवार

भोपाल। होशंगाबाद रोड पर आगे चल रही लालबस अचानक रुकी तो पीछे चल रही बाइक जाकर टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार को गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अंशुल मालवीय (25) ग्राम दीवानगंज थाना सलामतपुर जिला रायसेन का रहने वाला है। अंशुल ने पुलिस को बताया कि उसके पिता अशोक कुमार (52) गुरुवार सुबह करीब पौने नौ बजे मोटर सायकिल से भोपाल से घर लौट रहे थे। होशंगाबाद रोड स्थित निरामय अस्पताल के पास आगे चल रही लालबस के चालक ने अचानक ब्रेक मारकर बस को रोक दिया, जिससे उनकी बाइक जाकर टकरा गई। आसपास के लोगों ने अशोक कुमार को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने अंशुल की रिपोर्ट पर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पीड़ित पक्ष ने कोर्ट में लगाया था परिवाद, आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मैक्स केयर चिल्ड्रन अस्पताल के संचालक पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। तलैया पुलिस ने फतेहगढ़ स्थित मैक्स केयर चिल्ड्रन अस्पताल के संचालक अल्ताफ मसूद पर धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज बनाने समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया हे। अस्पताल संचालक पर आरोप है कि उसने आयुशमान कार्ड से इलाज के नाम पर धोखाधड़ी की है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को शिकासयत की थी, लेकिन पुलिस की जांच में लेटलतीफी होने के कारण कोर्ट में परिवाद दायर कर दिया। कोर्ट से मिले आदेश के बाद तलैया पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 26 नवंबर 2022 को खालिद अली ने मैक्स केयर चिल्ड्रन हॉस्पिटल में डाक्टर अल्ताफ मसूद से अपने मासूम बेटे जोहन अली का चेकअप कराया। उसे सर्दी और खांसी की शिकायत थी। डाक्टर ने उसे गंभीर बीमारी का हवाला देते हुए अस्पताल में भर्ती कर लिया। वह इलाज में बड़ी रकम खर्च करने की स्थिति में नहीं थे। डाक्टर मसूद ने कहा कि आयुष्मान कार्ड उन्हें दे दिया। डॉ मसूद ने कहा था कि कोशिश की जाएगी कि इलाज का खर्च सरकारी खाते से हो।

डाक्टर ने करीब एक सप्ताह से अधिक समय बच्चे को अस्पताल में भर्ती रखा। बाद में अस्पताल से छुट्टी देते समय खालिद अली से 40 हजार रुपए से अधिक नगदी जमा करा ली। उन्हें कहा गया कि आयुष्मान कार्ड से पेमेंट नहीं मिल सका। उनका अस्पताल भी इसका

फाइल फोटो

लाभ दिलाने के लिए पात्र अस्पतालों की सूची में शामिल नहीं है।

आरटीआई लगाकर की जानकारी धोखाधड़ी की आशंका होने पर शारिक चौधरी अधिवक्ता के माध्यम से आरटीआई से जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान पता चला कि 2021 में कार्ड से करीब 40 हजार रुपए एव वर्ष 2022 मे 34000 हजार अस्पताल के अकाउंट में ट्रांसफर किए गए हैं। इस पर जब डॉ से बात की गई तो उन्होंने कार्ड से रकम लेने की बात से साफ इनकार कर दिया।

कोर्ट जाने को मजबूर हुआ फरियादी पुलिस के आलाधिकारियों से शिकायत करने पर भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो एडवोकेट शारिक चौधरी की मदद से कोर्ट में परिवाद दायर किया गया। इस पर न्यायालय ने डाक्टर अल्ताफ मसूद पर एफआइआर दर्ज करने के आदेश दिए।

पत्रकार को मोबाइल पर जान से मारने की धमकी, प्रकरण दर्ज

भोपाल। सूखी सेवनिया पुलिस ने एक मीडियाकर्मी की शिकायत पर अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ फोन पर जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस धमकी देने वाले का मोबाइल नंबर निकालने का प्रयास कर रही है, जिसके बाद ही पता चल पाएगा कि उसने धमकी क्यों दी थी।

एसआई दिलीप जायसवाल ने बताया कि अमित सेन (27) ग्राम चोपड़कला सूखी सेवनिया में रहते हैं और मीडियाकर्मी हैं। अमित ने पुलिस को बताया कि बीती 21 नवंबर की रात वह अपने घर पर थे। रात करीब दस बजे उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया और नाम पूछा। उन्होंने जैसे ही अपना नाम बताया, उसके बाद फोन करने वाला गाली-गलौज करने लगा और बोला कि कल सुबह घर से निकलना तो तुझे बताता हूं। फोन करने वाले का मोबाइल नंबर अमित के मोबाइल पर दिखाई नहीं दे रहा था, बल्कि अननोन नंबर लिखा हुआ दिख रहा था। एसआई जायसवाल ने बताया कि इस प्रकार के कॉल किसी ऐप के माध्यम से किए जाते हैं। मोबाइल नंबर का पता लगाने के लिए काल डिटेल निकालने के साथ ही सायबर एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि अमित सेन ने पिछले दिनों शराब दुकानों से जुड़े कुछ समाचारों का प्रकाशन किया था। इस फोन काल उसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

ओएलएक्स पर स्कूटर देख ट्रायल के नाम पर लेकर भागा बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक बदमाश ने व्यवसायी की जूपिटर स्कूटर पार कर दी। बदमाश ने स्कूटर का विज्ञापन ओएलएक्स पर देखा था और खरीदने के बहाने पहुंचा। इसके बाद स्कूटर का ट्रायल मांगा और स्कूटर लेकर फरार हो गया। आरोपी जब नहीं लौटा तो उसके मोबाइल पर स्कूटर मालिक ने कॉल किया था। इस दौरान पता चला कि उसने अपना मोबाइल बंद कर लिया। शाम तक वह नहीं लौटा तो थाने में शिकायत की गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि सादाब खान (48) हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, ऐशबाग में रहते हैं और खुद का व्यवसाय करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उन्हें अपनी जूपिटर स्कूटर बेचनी थी और उन्होंने ओएलएक्स पर स्कूटर का विज्ञापन अपलोड किया था। उनके पास कल एक व्यक्ति का कॉल आया और उसने कहा कि उसे स्कूटर पसंद है और वह स्कूटर देखने आ रहा है। आरोपी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पहुंचा और सादाब खान अपनी स्कूटर लेकर उसके पास पहुंचे। आरोपी ने उन्हें कहा कि उसे स्कूटर पसंद है और वह 35 हजार रुपए में खरीद लेगा। इसके बाद उसने स्कूटर का ट्रायल मांगा। सादाब ने उसे स्कूटर का ट्रायल दे दिए। इस दौर सादाब से यह गलती हो गई कि वह ट्रायल लेते समय उसके साथ स्कूटर पर नहीं बैठे। आरोपी के हाथ स्कूटर लगी और वह लेकर फरार हो गया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे के आसपास की बताई जा रही है।

बाइक सवार युवक को पीछे से आ रहे ट्रक ने मारी टक्कर

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में बाइक सवार एक युवक को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोट आई है। पुलिस के मुताबिक देवेंद्र लोधी (23) मूलत- राहतगढ़ जिला सागर का रहने वाला है। फिलहाल वह कल्याण नगर छोला मंदिर में रहता है और प्रायवेट काम करता है। गुरुवार शाम करीब सात बजे देवेंद्र अपनी मोटर सायकिल से कल्याण नगर से डीमार्ट अयोध्या नगर जा रहा था। भानपुर ब्रिज के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पत्नी से परेशान अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित सांईबाबा नगर में शुक्रवार शाम अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से एक पर्ची में लिखा सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा है कि मैं अपनी पत्नी के चरित्र के कारण परेशान हूं इसलिए आत्महत्या कर रहा हूं। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है।

एएसआई विजेंद्र सिंह ने बताया कि गौतम मेहदेले (50) सांई बाबा नगर, हबीबगंज में रहते थे। वे और उनकी पत्नी साथ रहते थे और बंगले में सफाईकर्मी थे। उनकी झुग्गी के बगल में दोनों बेटे और बहू रहते हैं। शुक्रवार दोपहर गौतम की पत्नी काम पर गई हुई थी, जबकि घर में वे अकेले थे। शाम करीब चार बजे के आसपास उनकी बड़ी बहू घर पहुंची। इस दौरान उसने देखा कि बाथरूम का दरवाजा काफी देर से बंद है। बहू ने आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद अपने पति को जानकारी दी। वह मौके पर पहुंचा और किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया। इस दौरान गौतम मेहदेले दुपट्टे के फंदे पर लटके मिले। परिजन उन्हें जय प्रकाश अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर ही पहुंच गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद एक पर्ची बरामद की। उक्त पर्ची में गौतम ने अपनी 48 साल की पत्नी के चरित्र पर संदेह जताते हुए लिखा कि मैं पत्नी के चरित्र से परेशान हूं।

दीक्षांत समारोह

भोपाल के मौलाना आजाद कॉलेज में छात्र-छात्राओं का दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ।

मेट्रो एंकर | तीन दिन में 880 वाहन चालकों पर एक्शन

ट्रैफिक पुलिस ने 381 वाहनों के खिलाफ की कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अकाल मृत्यु और वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए सार्वजनिक स्थानों पर दोपहिया वाहन चालक एवं पिलियन राइडर को हेलमेट धारण करने तथा चार पहिया वाहन चालकों को सीटबेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शुक्रवार को भोपाल पुलिस ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम के साथ शहर प्रमुख स्थानों पर पाइंट लगाकर वाहनों की चैकिंग की। चैकिंग के दौरान बगैर हेलमेट 242, बगैर सीटबेल्ट 84, प्रदूषण बोर्ड की टीम के साथ 27 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके साथ ही 28 अन्य वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। इस प्रकार कुल 381 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई।

फाइल फोटो

10 तक चलेगा अभियान

उच्च न्यायालय एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस की हेलमेट एवं सीट बेल्ट को लेकर सख्ती कर रही है। इस अभियान में दोपहिया वाहन में पीछे बिना हेलमेट पहले लोगों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई से लोगों में हडकंप है। तीन दिन में हेलमेट पहने बिना दोपहिया वाहन पर चलने वाले 880 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है। इनमें 325 दोपहिया वाहन पर पीछे बिना हेलमेट पहने बैठे थे। चेकिंग अभियान 10 जनवरी तक चलेगा।

रक्षित केंद्र नेहरू नगर में हुआ जनरल परेड का आयोजन

भोपाल। रक्षित केंद्र, नेहरू नगर में शुक्रवार सुबह जनरल परेड का आयोजन किया गया। इसमें रक्षित केंद्र, यातायात तथा विभिन्न थानों समेत लगभग 400 अधिकारी/कर्मचारी सम्मिलित रहे। रक्षित केंद्र परेड ग्राउंड में आयोजित जनरल परेड की सलामी पुलिस उपायुक्त मुख्यालय आरएस प्रजापति द्वारा ली गई। उसके बाद उन्होंने परेड का निरीक्षण किया एवं अधिकारी/कर्मचारियों की वेशभूषा/गणवेश चेक की। साफ सुथरी वेशभूषा धारण करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया। उसके बाद टोलीवार परेड ड्रिल करवाई गई।

मिसरोद में कार की टक्कर से स्कूटर सवार दो लोग घायल

भोपाल। मिसरोद थानांतर्गत होशंगाबाद रोड पर कार की टक्कर से स्कूटर सवार दो लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक रोहित हिरवे (21) बारह नंबर स्टाप शाहपुरा में रहता है और प्रायवेट काम करता है। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे वह अपने साथी दीपक कनाडे के साथ काम के लिए स्कूटर से बंगरसिया जा रहा था। होशंगाबाद रोड स्थित शनि मंदिर के सामने पहुंचे, तभी तेज रफ्तार कार चालक ने रोहित की स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे दोनों स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गये। टक्कर मारने के बाद कार चालक कार लेकर भाग निकला। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022